छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 166 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 26 जून 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत पर तत्काल 'रियेक्शन' और 'एक्शन'

कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग ने 3219 बोरी उर्वरक जब्त किया

किसान ने अधिक दर पर खाद बिक्री का मामला लाया था संज्ञान में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में जारी किये गये सीएम हेल्पलाइन नंबर की सार्थकता सामने आने लगी है। शिकायत पर तत्काल रियेक्शन और एक्शन की तस्वीर सामने आने से स्पष्ट हुआ है कि, कार्यालयों में बैठकर शिकायतों का इंतजार करने और कार्रवाई के नाम पर मगजमारी करने वाले अधिकारियों पर भी गाज गिर सकती है। खेती-किसानी के मौसम में किसानों को लूट-खसोट का शिकार बनाने की मंशा रखे ऐसे ही एक उर्वरक

विक्रय केंद्र के विरूद्ध सरगुजा के तेजतर्रार कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा की गई फौरी कार्रवाई से कुछ ऐसा ही संकेत मिल रहा है। जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश पूर्व में ही कलेक्टर सरगुजा अजीत वसंत ने दिये हैं, लेकिन कृषि विभाग के जिम्मेदारों की अनदेखी से अधिक दर पर उर्वरक की बिक्री धड़ल्ले से हो रही थी। इस मामले को सीएम हेल्पलाइन 1076 में एक जागरूक कृषक ने संज्ञान में लाया। किसान ने शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नेहरूनगर (डिगमा) स्थित मेसर्स सरगुजा कृषि राय केंद्र द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक (खाद) का विक्रय किया जा रहा है। मामला कलेक्टर के संज्ञान में आया और उन्होंने शिकायत को गंभीरता से लेते हुये जांच और कार्रवाई के निर्देश दिये थे। कृषि विभाग के उप संचालक पीतांबर सिंह दीवान के मार्गदर्शन में तत्काल जांच कराई गई। जांच के दौरान शिकायतकर्ता कृषक का बयान तथा उर्वरक क्रय संबंधित ऑनलाइन भुगतान के डिजिटल साक्ष्य लिये गये, जिसमें अधिक दर पर उर्वरक बिक्री करने की पुष्टि हुई। शिकायत सही पाए जाने पर 25 जून को कृषि विभाग की जिला स्तरीय टीम ने गुरूवार को संबंधित विक्रय केंद्र पर औचक निरीक्षण किया, और अंबिकापुर के नेहरूनगर (डिगमा) स्थित एक उर्वरक विक्रय केंद्र पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3219 बोरी उर्वरक जब्त कर विक्रय केंद्र को सील कर दिया है। निरीक्षण एवं सीलिंग की कार्रवाई के दौरान सहायक संचालक कृषि कुंवर साय पैंकरा, उर्वरक निरीक्षक जे. आलम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सीताराम भगत सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उर्वरक जब्त, विक्रय केंद्र सील

कृषि विभाग की टीम ने अग्रिम कार्रवाई के दौरान परिसर में उपलब्ध संपूर्ण उर्वरक को जब्त कर लिया गया तथा विक्रय केंद्र के परिसर को सील कर दिया है। सीएम हेल्पलाइन तक पहुंची शिकायत के बाद हुई कृषि विभाग के द्वारा की गई कार्रवाई से गलत तरीके से उर्वरक विक्रय की मंशा रखे लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति बन गई है।

दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी

सीएम स्तर से मामला संज्ञान में आने के बाद कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि, जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी विक्रेता किसानों से अधिक राशि वसूलते पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बस्तर के नए आईजी होंगे बद्रीनारायण मीणा

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग ने बस्तर संभाग के नए पुलिस महानिरीक्षक के नाम का ऐलान कर दिया है. साल 2004 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस बद्री नारायण मीणा को बस्तर का नया पुलिस आईजी बनाया गया है. दरअसल, बस्तर आईजी सुंदरराज पी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर NIA का आईजी बनाए जाने के बाद बस्तर में नए पुलिस आईजी के नाम की सुगबुगाहट तेज थी. इसी कड़ी में गुरुवार को छत्तीसगढ़ सरकार ने नए आईजी के तौर पर बद्रीनारायण मीणा की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया.

बद्रीनारायण मीणा इससे पहले बिलासपुर रेज और दुर्ग रेंज के आईजीपी रह चुके हैं. फिलहाल, वह पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में पुलिस महानिरीक्षक प्रशासन और चयन के पद पर कार्यरत थे. मीणा को पुलिस सेवा में उनकी उत्कृष्ट और विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित से सम्मानित किया जा चुका है. यह सम्मान उन्हें 2023 में मिला था.

आकाशीय बिजली से गई दो गौ वंश की जान

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कटिंदा में 25 जून, गुरूवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो किसानों के दा गायों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गुरूवार को अचानक मौसम में आई तब्दीली के बाद तेज गर्जना हुई और आकाशीय बिजली की चपेट में मवेशी आ गये थे।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान 28 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 28 जून, रविवार को जिले में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत जन्म से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी। जिले के सभी विकासखंडों में कुल 1 लाख 42 हजार 685 बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विकासखंडवार लक्ष्य में बतौली के 13,080, लुंड्रा के 20,748, धौरपुर के 17,129, सीतापुर के 16,620, मैनपाट के 12,756, लखनपुर के 20,653, उदयपुर के 13,627 तथा शहरी क्षेत्र के 28,072 बच्चे शामिल हैं। पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 964 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। इन बूथों पर 1,104 दलों द्वारा शासकीय चिकित्सालयों, शासकीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

सैनिक स्कूल में 'परमवीर गैलरी' का अनावरण, आधुनिक पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण

आधुनिक खेल सुविधाओं से कैडेट्स के सर्वांगीण विकास को मिलेगी नई गति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सैनिक स्कूल अंबिकापुर में नव-निर्मित अत्याधुनिक पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट का भव्य एवं गरिमामय वातावरण में उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सरगुजा अजीत वसंत विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने उद्घाटन पट्टिका का अनावरण कर नव-निर्मित पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट विद्यालय एवं कैडेट्स को समर्पित किया। समारोह का शुभारंभ परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने देश के वीर सैनिकों के सम्मान में स्थापित 'परमवीर गैलरी' का भी लोकार्पण किया। इस गैलरी में परमवीर चक्र विजेताओं के

अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रसेवा की प्रेरक गाथाओं को प्रदर्शित किया गया है, जो विद्यार्थियों और कैडेट्स में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता तथा कर्तव्यनिष्ठा की भावना को मजबूत करेगी।

अपने संबोधन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा आधुनिक खेल अधोसंरचना विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन द्वारा खेल सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि, ऐसे प्रयास भविष्य के खिलाड़ियों और नेतृत्वकर्ताओं के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। उद्घाटन समारोह के दौरान नव-निर्मित बैडमिंटन कोर्ट पर प्रदर्शनी मैचों का आयोजन भी किया गया, जिसमें कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के उत्साह और आत्मविश्वास ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को प्रभावित किया।

विद्यालय की प्राचार्या कर्नल रीमा सोबती ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, खेल गतिविधियों तथा विभिन्न नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण से कैडेट्स को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में कैडेट्स उपस्थित रहे। नव-निर्मित खेल सुविधा और परमवीर गैलरी का लोकार्पण सैनिक स्कूल अंबिकापुर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को और अधिक सशक्त करेगा।

साइबर ठगी की रकम म्यूल खाते में प्राप्त करने वाले 2 खाताधारक सहित 4 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली एवं साइबर सेल पुलिस टीम ने साइबर ठगी के मामले में दो म्यूल खाताधारक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खाता में धोखाधड़ी व अपराध से सम्बंधित रकम 42 हजार 499 रुपये एवं अन्य खाते में 22 हजार 563 रुपये प्राप्त होने पर यह कार्रवाई की गई। मामले में अन्य आरोपी की गिरफ्तारी शेष है।

बता दें कि, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त सूची के अनुसार फर्जी मोबाइल नम्बरो को जारी करने वाले पॉइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) एवं म्यूल अकाउंट खाता धारकों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई करने के संबंध में पुलिस मुख्यालय रायपुर से दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसी क्रम में दस्तावेज का अवलोकन करने पर म्यूल एकाउंट के मामले में संबंधित बैंक खाता धारक शुभम यादव के म्यूल खाते के विरुद्ध पुलिस पोर्टल में विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन शिकायत दर्ज हुआ था। उक्त खाते में 42499 रुपये छलपूर्वक प्राप्त करने के लिये अपने सीम, बैंक खाता का उपयोग षड्यंत्रपूर्वक करना पाया गया। अन्य बैंक खाता धारक धीरज पाण्डेय के नाम से संचालित है। संबंधित म्यूल खाते के विरुद्ध पुलिस पोर्टल में विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन दर्ज शिकायत के आधार पर 22563 रुपये छलपूर्वक प्राप्त करना और संदिग्ध सीम/म्यूल बैंक खाता का उपयोग करना पाया गया। आरोपी शुभम यादव, धीरज पाण्डेय एवं शिवम यादव, कृष गुप्ता का कृत्य अपराध सदर धारा 318 (4), 317(4), 61(2) बी.एन.एस. का पाये जाने पर थाना कोतवाली में धारा 318 (4), 317(4), 61(2) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया था। आरोपियों को प्रकरण मे गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह, अमन पुरी, शिव राजवाड़े, मंटूलाल गुप्ता सक्रिय रहे।

एक युवक का मोबाइल फोन भी जब्त

पुलिस टीम ने आरोपित शुभम यादव पिता स्व. संतोष यादव 26 वर्ष निवासी जोड़ा तालाब के पास बाबूपारा, धीरज पाण्डेय पिता चन्द्रमा पाण्डेय 20 वर्ष निवासी मठपारा शिव मंदिर के पास बिलासपुर चौक, शिवम यादव पिता स्व. संतोष यादव 25 वर्ष निवासी जोड़ा तालाब के पास बाबूपारा व कृष गुप्ता पिता शिव प्रसाद शाह 21 वर्ष निवासी मठपारा सिटी बस स्टैंड के पास को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो इन्होंने घटना करना स्वीकार किया। धीरज पाण्डेय ने शिवम यादव, कृष गुप्ता से बातचीत का ऑडियो अपने मोबाइल में होना बताते हुये पेश किया, जिसे पुलिस ने जप्त किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि, शिवम यादव एवं कृष गुप्ता ने आपराधिक षड्यंत्र कर शुभम यादव एवं धीरज पाण्डेय का बैंक खाता खुलवाने हेतु सिम निकलवाने और बैंक खाता खुलवाने, साथ ही खाते में अपराध से संबंधित रकम के लेन-देन में सहयोग किया है।

मितानिनों ने ठेका प्रथा के खिलाफ खोला मोर्चा, मोदी की गारंटी पूरी करने की मांग

रैली निकालकर जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश स्वास्थ्य मितानिन संघ ने मोदी की गारंटी 2023 में किए गए वायदे को पूरा करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सरगुजा जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। संघ ने मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फैसिलिटेटर और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि और सभी को एन.एच.एम. में संविलियन की लम्बे समय से चल रही मांग को पूरा करने का आग्रह किया है। इसके अलावा एनजीओ के अधीन काम कराने पर इन्होंने आपत्ति जताई है, और शासन से ठेका प्रथा बंद करने की मांग की है। कला केंद्र मैदान में एकजुटता दिखाने के बाद मितानिनें नारेबाजी करते हुये रैली के शक्ल में कलेक्टोरेट की ओर रूख कीं। इनकी काफी संख्या को देखते हुये यहां का मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिया था, और पुलिस का पहरा लगा था।

ज्ञापन में उल्लेख है कि 2023 के घोषणा पत्र में वादा किया गया था कि मितानिन कर्मचारियों के मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि की जाएगी और मितानिन

कार्यकर्ताओं को एन.एच.एम. के अंतर्गत संविलियन किया जाएगा। संघ का आरोप है कि, इसके विपरीत प्रशासन ने मितानिन कार्यक्रम के संचालन का काम निजी संस्था, एनजीओ को दे दिया है, जिससे प्रदेश के सभी मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फैसिलिटेटर एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर निराश हैं। प्रदेश स्वास्थ्य मितानिन संघ के बैनर तले एकजुट हुई मितानिनों ने अपनी मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षण कराया है। इसमें प्रमुख रूप से मितानिन कर्मचारियों के मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि, सभी मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फैसिलिटेटर एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर का एन.एच.एम. में संविलियन शामिल है। इस दौरान काफी संख्या में मितानिनों की उपस्थिति रही।

तो करेंगे प्रदेशव्यापी आन्दोलन

संघ का कहना है कि एन.एच.एम. में संविलियन करने पर न केवल मितानिनों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में भी सक्षम रहेंगी। इससे मितानिन कार्यकर्ताओं के समर्पण और कड़ी मेहनत को पहचान मिलेगी और राज्य भर में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूती मिलेगी। मितानिन संघ ने चेतावनी दी है कि, अगर मोदी की गारंटी का वादा पूरा नहीं हुआ तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

फायर सेफ्टी ऑडिट, 24 प्राइवेट कोचिंग इंस्टीट्यूट और हॉस्टल फेल

लखनऊ। लखनऊ में आगजनी में 15 स्टूडेंट्स की मौत के बाद सरगुजा में भी प्राइवेट कोचिंग संस्थाओं के साथ हॉस्टलों का फायर सेफ्टी आडिट किया गया। फायर सेफ्टी आडिट में शहर के दो दर्जन से अधिक कोचिंग और प्राइवेट हॉस्टल फेल हो गए हैं। अधिकांश संस्थाओं में इमरजेंसी फायर एक्जिट की व्यवस्था नहीं है। सभी के संचालकों को नोटिस जारी किया गया है। लखनऊ में आगजनी में कोचिंग संस्था के 15 छात्रों की मौत के बाद प्रदेशभर में कोचिंग और हॉस्टलों की जांच की जा रही है। सरगुजा में फायर एंड सेफ्टी विभाग द्वारा शहर में संचालित प्राइवेट कोचिंग और हॉस्टलों की जांच की गई। जांच में गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। दो दिनों की जांच में दो दर्जन से अधिक संस्थाएं फायर एंड सेफ्टी आडिट में फेल हो गई हैं।

पतली सीढ़ियां, इमरजेंसी एक्जिट भी नहीं-अंबिकापुर के कई प्राईवेट कोचिंग संस्थाएं उपरी मंजिलों में संचालित हैं, जहां तक पहुंचने और निकास के लिए पतली सीढ़ियां हैं। आग बुझाने के उपकरण नहीं मिले या वे कालातीत मिले हैं। आग लगने की स्थिति में इमरजेंसी एक्जिट के लिए अलग से दरवाजे या सीढ़ियां नहीं हैं। गांधीनगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में प्राइवेट हॉस्टल संचालित हैं, जहां सुरक्षा मानकों की भारी कमी मिली है। हॉस्टलों में बड़ी संख्या में स्कूली छात्राएं और कॉलेज की छात्राएं रह रही हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त उपाय नहीं हैं।

24 संस्थाओं को नोटिस, जांच जारी-फायर सेफ्टी प्रभारी अंजनी तिवारी ने बताया कि दो दिनों की जांच में प्राइवेट कोचिंग और हॉस्टलों में कई खामियां मिली हैं। कोचिंग व हॉस्टलों में अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, आपातकालीन निकास, फायर फाइटिंग सिस्टम और अन्य जरूरी सुरक्षा व्यवस्थाएं या तो नहीं मिलीं या फिर निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैं। इसके लिए संस्थाओं को नोटिस जारी किया गया है। निर्देशों का पालन नहीं करने वाले संस्थाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अंजनी तिवारी ने बताया कि संचालकों को कमियां दूर करने एक सप्ताह का समय दिया गया है। इसके बाद भी व्यवस्था नहीं सुधरी तो तालाबंदी की कार्रवाई की जाएगी।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को मुफ्त मिलेगी शिक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना, के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में पूर्णत: निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 3 जुलाई निर्धारित है। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ ऐसे निर्माण श्रमिकों की प्रथम दो संतानों को मिलेगा, जिनका मंडल में कम से कम एक वर्ष पूर्व से वैध पंजीयन हो तथा छात्र-छात्रा वर्तमान सत्र में कक्षा 6वीं में प्रवेश ले रहे हों। पात्र विद्यार्थियों का चयन शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया जाएगा। आवेदन के लिए श्रमिक पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड अनिवार्य है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

एनसीडब्ल्यूए 12 के गठन में विलंब के विरोध में रेहर भूमिगत खदान में गेट मीटिंग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की रेहर भूमिगत खदान में एनसीडब्ल्यूए 12 के गठन में हो रहे विलंब के संबंध में बीएमएस द्वारा जनजागरण अभियान चलाते हुए खदान परिसर में गेट मीटिंग किया गया। गेट मीटिंग के माध्यम से श्रमिकों को एनसीडब्ल्यूए 12 के गठन में हो रही देरी से उत्पन्न परिस्थितियों तथा श्रमिक हितों पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी गई।

वक्ताओं ने कहा कि कोयला कर्मियों की वेतन, भत्तों एवं अन्य सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए एनसीडब्ल्यूए 12 का शीघ्र गठन आवश्यक है। संगठन लगातार इस विषय को प्रमुखता से उठाते हुए श्रमिकों को जागरूक करने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में संगठन के क्षेत्रीय समन्वयक राजेश सिंह, अशोक सिंह, हेमंत कुमार, राजेंद्र प्रधान, तथा रन साय सहित खदान के अनेक सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। गेट मीटिंग के दौरान श्रमिकों ने भी एनसीडब्ल्यूए 12 के गठन में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए समयबद्ध तरीके से समझौता लागू करने की मांग उठाई। संगठन के पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि श्रमिक हितों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

कलेक्टर ने माध्यमिक एवं हाई स्कूल सौनी का किया आकस्मिक निरीक्षण

★ बच्चों ने जीता कलेक्टर का दिल ★ पढ़ाई का जज़्बा देख कलेक्टर ने बच्चों की पीठ थपथपाई ★ विद्यार्थियों से सवाल पूछ परखी ज्ञान की समझ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने विकासखंड बलरामपुर के ग्राम सौनी स्थित माध्यमिक शाला एवं हाई स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति तथा शिक्षण कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनके विषयवार ज्ञान का आकलन किया। उन्होंने हिंदी, गणित एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे तथा बच्चों को बिना झिझक उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों से ग्रह मंडल के बारे में प्रश्न पूछा। इस दौरान माध्यमिक शाला सौनी के कक्षा सातवीं की छात्रा सोनी पाल ने आत्मविश्वास के साथ सभी ग्रहों के नाम एवं उनसे संबंधित जानकारी सही-सही बताई, जिस पर कलेक्टर ने छात्रा के बेहतर प्रदर्शन से प्रसन्न होकर कलेक्टर ने उसकी पीठ थपथपाकर सराहना की । उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी नियमित अभ्यास करने और पढ़ाई को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात कलेक्टर हाई स्कूल पहुंची उन्होंने विद्यार्थियों विभिन्न विषय अंतर्गत सवाल पूछे। इस दौरान उन्होंने कहा कि

पढ़ाई के साथ-साथ प्रतिदिन लिखने की भी नियमित प्रैक्टिस करें, क्योंकि लेखन अभ्यास से सीखने की क्षमता बढ़ती है और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलती है।

विद्यार्थियों से संवाद के दौरान कलेक्टर ने पूछा कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। विद्यार्थियों ने डॉक्टर, शिक्षक, पुलिस अधिकारी सहित विभिन्न क्षेत्रों में जाने की अपनी इच्छाएं व्यक्त की। कलेक्टर ने कहा कि बड़े सपने देखना अच्छी बात है, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन भी जरूरी है। उन्होंने बच्चों से कहा कि प्रतिदिन विद्यालय आएं, समय का सदुपयोग करें, और हर विषय की नियमित तैयारी करें। उन्होंने कहा कि आज की मेहनत ही भविष्य की सफलता की मजबूत नींव बनती है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने शिक्षकों से कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी पर व्यक्तिगत ध्यान दें। उन्होंने बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाने के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण, नियमित मूल्यांकन और कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने विद्यालय का परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित उपस्थिति से ही बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता बनी रहती है और सीखने के बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं। उन्होंने शिक्षकों से अभिभावकों के साथ सतत संपर्क बनाए रखने तथा विद्यालय से अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों को नियमित रूप से स्कूल लाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। इस दौरान कलेक्टर ने सीजीवीएसके ऐप के माध्यम से शिक्षकों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

आपसी सद्भावना से मोहर्रम मनाने हुई शांति समिति की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के वातावरण

में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज बिश्रामपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मोहर्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव और एकता का प्रतीक भी है। उन्होंने सभी से पर्व को आपसी प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मनाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और समाज के वरिष्ठ नागरिकों से सुझाव भी लिए। लोगों ने जुलूस मार्ग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव रखे, जिन पर पुलिस प्रशासन ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बिश्रामपुर थाना प्रभारी टीआई प्रकाश राठौर, सहायक उपनिरीक्षक अशोक साहू, नरेंद्र जैन, अशोक गुप्ता, अनुपम फिलिप, रामलाल सोनी, प्रेमजीत सिंह, पार्षद प्रशांत अग्रवाल, अहमद वाहिद, एजाज अहमद, वेद प्रकाश मिश्र, अफरोज, शमीम पलिहा, कलाम, जावेद, संतोष कुमार सिंह, शाहिद आलम, मोहसिन रजा खान व अन्य उपस्थित थे।

डेढ़ माह बाद पुलिस ने बाइक चोरी मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले में पुलिस ने डेढ़ महीने बाद आखिरकार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत बलरामपुर

सूरदासपारा निवासी डालेश्वर प्रसाद राजवाड़े ने डेढ़ महीने पहले रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 7 मई को उसकी भतीजी का विवाह समारोह था। शादी की तैयारियों और बारात के स्वागत की भागदौड़ के बीच उसके पिता बलदेव राजवाड़े अपनी मोटरसाइकिल हीरो एचएफ डिलक्स क्रमांक सीजी 15 सी डब्ल्यू 1405 लेकर बाहर गए थे। शाम करीब 4 बजे घर लौटकर उन्होंने बाइक को घर के बाहर लॉक कर खड़ा कर दिया। शादी के आयोजन में पूरा परिवार व्यस्त हो गया। अगले दिन 8 मई की सुबह बाइक वहीं खड़ी दिखाई दी, लेकिन चाबी नहीं मिलने के कारण उसे उपयोग नहीं किया गया। रात तक बाइक घर के बाहर ही खड़ी रही, लेकिन 9 मई की सुबह जब परिवार के लोग उठे तो बाइक गायब थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में चोरी की बाइक लेकर बिश्रामपुर क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम गीता प्रसाद राजवाड़े 25 वर्ष निवासी केवरा मझियारपारा थाना प्रतापपुर बताया। शुरुआती पूछताछ में युवक गीता प्रसाद ने बताया कि उसने उक्त बाइक अपने परिचित विजय लास्कर से खरीदी थी। विजय ने उसे वाहन के कागजात बाद में देने तथा रकम भी बाद में लेने की बात कही थी। पुलिस को बयान संदिग्ध लगा, जिसके बाद मामले में गहन जांच शुरू की गई।जांच के दौरान पुलिस ने गीता प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई की। इसके बाद पुलिस ने बाइक बेचने वाले विजय लास्कर की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर विजय लास्कर को भी बिश्रामपुर क्षेत्र से घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में विजय लास्कर ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसने 8 मई की रात बलरामपुर सूरदासपारा से हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल चोरी की थी। चोरी के बाद उसने वाहन को अपने परिचित गीता प्रसाद राजवाड़े को 20 हजार रुपए में बेच दिया था। साथ ही उसने यह भी स्वीकार किया कि वाहन के कोई दस्तावेज उसके पास नहीं थे और बाद में कागजात उपलब्ध कराने का झांसा देकर सौदा किया गया था। पुलिस ने आरोपी विजय लास्कर को गुरुवार की दोपहर गिरफ्तार कर लिया है।

बिना सफाई किए पानी टंकियों पर लिख दी गई डेट ऑफ क्लीनिंग रेल कर्मियों ने जताई नाराजगी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे कॉलोनी बिश्रामपुर में पेयजल व्यवस्था को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। आरोप है कि रेल प्रबंधन के संबंधित विभाग ने कॉलोनी में स्थापित पानी की टंकियों की वास्तविक सफाई कराए बिना ही उन पर डेट ऑफ क्लीनिंग 23/06/2026 अंकित करा दिया, जिससे रेल कर्मियों में नाराजगी व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, रेलवे कॉलोनी में कर्मचारियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कॉलोनी के बीचोंबीच एक बड़ी लोहे की जलमीनार स्थापित है। इसके अलावा कर्मचारियों के आवासों की छतों पर भी पानी की टंकियां लगी हुई हैं, जिनमें पाइपलाइन के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाती है।

रेल कर्मियों का आरोप है कि इन टंकियों की सफाई किए बिना ही उन पर क्लीनिंग की तिथि लिखवा दी गई। कुछ कर्मचारियों ने जब टंकियों पर तिथि अंकित कर रहे पेंटर से इसकी जानकारी ली, तो उसने बताया कि वह यह कार्य आईओडब्ल्यू (इंस्पेक्टर ऑफ वर्क्स) के निर्देश पर कर

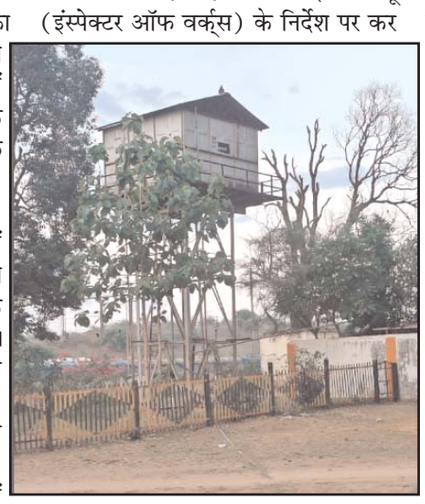

रहा है।

कर्मचारियों का कहना है कि रेलवे कॉलोनी में लगभग 28 से 30 आवास हैं और यहां पेयजल आपूर्ति पूरी तरह टंकियों के माध्यम से होती है। ऐसे में टंकियों की नियमित सफाई आवश्यक है ताकि कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल मिल सके।

रेल कर्मियों ने बताया कि नियमों के अनुसार समय-समय पर पानी की टंकियों की सफाई कराई जानी चाहिए, लेकिन इस मामले में केवल औपचारिकता पूरी करते हुए सफाई की तिथि दर्ज कर दी गई है। कर्मचारियों ने संबंधित विभाग से इसकी शिकायत करते हुए व्यवस्था में सुधार और टंकियों की वास्तविक सफाई कराने की मांग की है।

मामले को लेकर कर्मचारियों ने ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई है। उनका कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है, इसलिए जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

ट्रिप ट्रेलर ऑनर कल्याण संघ ने कोयला ट्रांसपोर्टरों पर शोषण का लगाया आरोप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ट्रिप ट्रेलर ऑनर कल्याण संघ, सूरजपुर की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को नावापारा में आयोजित की गई। बैठक में संघ के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में वाहन मालिकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कोयला परिवहन कार्य में लगे वाहन मालिकों की विभिन्न समस्याओं तथा कोयला ट्रांसपोर्टरों द्वारा किए जा रहे कथित शोषण के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से बताया गया कि संघ द्वारा अपनी मांगों के संबंध में सूरजपुर के अनुविभागीय दंडाधिकारी एसडीएम, बिश्रामपुर थाना एवं करंजी चौकी को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में बढ़ती महंगाई और डीजल की लगातार बढ़ रही कीमतों के बावजूद परिवहन भाड़े में वृद्धि नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त की गई है।

संघ ने विभिन्न रूटों के लिए परिवहन दरों में उचित वृद्धि करने, वाहन मालिकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने, भुगतान संबंधी समस्याओं का समाधान करने, लोडिंग

व्यवस्था में सुधार लाने तथा साइडिंग संचालन से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने की मांग की है।

बैठक को संबोधित करते हुए संघ अध्यक्ष रामनरेश यादव ने कहा कि वाहन मालिक लंबे समय से आर्थिक दबाव और अनुचित शर्तों का सामना कर रहे हैं। कई बार संबंधित अधिकारियों एवं प्रबंधन के समक्ष मांगें रखने के बावजूद समाधान नहीं निकलने के कारण अब आंदोलन का सहारा लेना पड़ रहा है।

संघ के उपाध्यक्ष समीर सिंह ने कहा कि यदि वाहन मालिकों की जायज मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

वहीं कोषाध्यक्ष योगेंद्र दूबे तथा वरिष्ठ सदस्य प्रेमजीत सिंह ने कहा कि डीजल, स्पेयर पार्ट्स एवं अन्य परिचालन खर्चों में लगातार वृद्धि हुई है, जबकि परिवहन दरें वर्षों से लगभग स्थिर बनी हुई हैं। इससे वाहन मालिकों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 28 जून 2026 तक उनकी मांगों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई तो करंजी साइडिंग में चक्का जाम कर परिवहन कार्य बंद करते हुए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संघ का कहना है कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी संबंधित ट्रांसपोर्ट प्रबंधन एवं प्रशासन की होगी।

बैठक में उपस्थित वाहन मालिकों एवं संघ पदाधिकारियों ने आंदोलन को सफल बनाने तथा अपनी मांगों के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

ग्लोबल स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव मनाकर बच्चों को दिलाया गया दाखिला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय प्राथमिक शाला बालक ग्लोबल स्कूल बिश्रामपुर में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह चौहान उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में श्यामा पांडेय, पूर्व जिला महामंत्री दुर्गा गुप्ता, सनी मिश्रा, निलिमा श्रीवास्तव, जफलीता खलखो उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी बच्चों को किताब व गणवेश देकर शाला में स्वागत किया गया और बच्चे को नियमित स्कूल आने की बात कही गई। कार्यक्रम में स्कूल की प्राचार्या मंजू पटेल व अन्य उपस्थित थे।

नगर पंचायत के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष अंशुल को लड्डुओं से तौला गया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर बस्ती के मिलन चौक में नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष अंशुल गोयल का ग्रामीणों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत कर उन्हें तराजू में लड्डुओं से तौलकर उनका अभिनंदन किया। उसके बाद से ही उनका जगह जगह स्वागत हो रहा है।

गुरुद्वारा रोड में कांग्रेस नेता शनि अग्रवाल के निवास पर स्वागत के बाद अंशुल गोयल का शिवनंदनपुर बस्ती के मिलन चौक में रामाश्रय यादव के निवास में स्वागत किया गया। यहां उन्हें तराजू में लड्डुओं से तौलकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन व आभार प्रदर्शन रामाश्रय यादव ने किया।नपं उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर के समग्र विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष गोयल ने कहा कि यह सम्मान जनता के विश्वास और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। वहीं मंडल अध्यक्ष चंदन सिंह ने कहा कि नगर के विकास और जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस हमेशा सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता रमेश दनौदिया, पवन अग्रवाल, रामनारायण सिंह, पीयूष तिवारी, चंदा सिंह, पार्षद अहमद वाहिद, बिजेंद्र सिंह, संतोष जायसवाल व अन्य उपस्थित रहे।

राजापुर में चलित थाना लगाकर दी गई कानूनी जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कानून संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत राजापुर में गुरुवार को चलित थाना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने किया, जिसमें ग्रामीणों ने सामाजिक और कानूनी विषयों की जानकारी प्राप्त की।चलित थाना के दौरान थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने ग्रामीणों को यातायात नियमों का पालन करने, सड़क दुर्घटनाओं से बचाव, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का पालन अपनी जिम्मेदारी समझकर करना चाहिए। शराब सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की

गई।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि कई बार अपराध और पारिवारिक विवादों का भी कारण बनता है। महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर भी विशेष जानकारी दी गई। साथ ही बाल संरक्षण, बच्चों के अधिकार, बाल अपराधों की रोकथाम और साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी प्रकाश डाला गया। थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, अपराध या सामाजिक समस्या की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के साथ विश्वास और सहयोग का रिश्ता मजबूत करना भी है। इस दौरान प्रधान आरक्षक दीपक दुबे, राजापुर सरपंच अमर सिंह, उप सरपंच नेतलाल सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

संभागीय जांच टीम ने किया निर्माणाधीन एकलव्य विद्यालय का निरीक्षण

निर्माण की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे गंभीर सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर सरनापारा में निमार्णाधीन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय परिसर की जांच हेतु बुधवार को सरगुजा संभाग आयुक्त कार्यालय द्वारा गठित उच्चस्तरीय जांच समिति मौके पर पहुंची। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे इस निर्माण कार्य मे गुणवत्ता विहीन निर्माण, तकनीकी अनियमितता, अवैध रेत उपयोग और गुणवत्ता से समझौते की शिकायतों का टीम ने सूक्ष्म निरीक्षण किया। शिकायतकर्ता चंद्रिका कुशवाहा तथा मनीष गुप्ता द्वारा सरगुजा संभाग आयुक्त को भेजी गई शिकायत के आधार पर यह जांच कराई गई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि निर्माण कार्य

स्वीकृत तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है तथा कई स्थानों पर गुणवत्ता से गंभीर समझौता किया गया है। 13 जून को जारी आदेश के अनुसार तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई घी। जिसमे उपायुक्त सरगुजा संभाग अध्यक्ष, अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, सरगुजा सदस्य, जिला खनिज अधिकारी, अंबिकापुर को शामिल किया गया। जांच के दौरान एसडीएम ललिता भगत, मंडल संयोजक रंजय सिंह, शिकायतकर्ताओ सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान ऐसे कई निर्माण संबंधी पहलू सामने आए, जिन पर टीम ने विशेष रूप से ध्यान दिया। बताया जाता है कि बालक छात्रावास भवन के कुछ हिस्सों में बीम नीचे की ओर झुके हुए दिखाई दिए। वहीं किचन भवन के कुछ हिस्सों में संरचनात्मक असंतुलन को लेकर भी सवाल उठे। निरीक्षण के दौरान टीम ने इन बिंदुओं का बारीकी से परीक्षण किया। निर्माण विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी भवन के बीम, स्लैब और भार वहन करने वाले हिस्सों में तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जाए तो भविष्य में दरारें आने, मजबूती प्रभावित होने और सुरक्षा जोखिम बढ़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। किचन शेड की स्लैब ढलाई में जहां तकनीकी मानकों के अनुसार लगभग 5 से 6 इंच की दूरी पर जाली बिछाई जानी थी, वहीं कई स्थानों पर यह दूरी 9 से 10 इंच तक पाई गई। इसके अलावा बीम में निर्धारित संख्या से कम सरिया उपयोग किए जाने का भी आरोप सही मिला। जांच टीम ने इन बिंदुओं का भौतिक सत्यापन किया तथा संबंधित तकनीकी अभिलेखों की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान ईंट की जोड़ाई, ढलाई की गुणवत्ता और तराई को लेकर भी सवाल उठे। आरोप है कि ढलाई के बाद पर्याप्त पानी नहीं दिया गया, जिससे निर्माण की मजबूती प्रभावित हो सकती है। सूत्रों के अनुसार कई स्थानों पर निर्माण कार्य ऐसा प्रतीत हुआ मानो तकनीकी निगरानी के बजाय केवल मजदूरों और मिस्त्रियों के भरोसे काम कराया गया हो। जांच टीम ने निर्माण से जुड़े विभिन्न तकनीकी दस्तावेज, गुणवत्ता नियंत्रण रजिस्टर, सामग्री उपयोग का रिकॉर्ड और खनिज संबंधी दस्तावेज मांगे। बताया जाता है कि कुछ आवश्यक अभिलेख तत्काल उपलब्ध नहीं कराए जा सके, जिसके बाद टीम ने संबंधित तथ्यों को अपने प्रतिवेदन में शामिल करने की बात कही। पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू रेत उपयोग और खनिज दस्तावेजों को लेकर सामने आया। निर्माण में हजारों ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत उपयोग की गई, जबकि वैध पिटपास और रॉयल्टी संबंधी दस्तावेजों को लेकर गंभीर सवाल मौजूद हैं। आरोप यह भी है कि समीपस्थ नदी क्षेत्र से बड़े पैमाने पर रेत निकालकर निर्माण कार्य में उपयोग किया गया। यही कारण है कि जांच समिति में जिला खनिज अधिकारी को भी शामिल किया गया।

आदिवासी बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल

यह विद्यालय भविष्य में आदिवासी क्षेत्र के छात्र छात्राओं का आवासीय शिक्षण केंद्र बनने वाला है। ऐसे में यदि निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल सही साबित होते हैं तो मामला केवल वित्तीय अनियमितता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से भी सीधे जुड़ जाएगा। टीम ने निरीक्षण पश्चात विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर संभागायुक्त कार्यालय को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

महुली में उत्साह से मना संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव, मेधावी बच्चो का हुआ सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। संकुल केंद्र महुली के अंतर्गत संचालित विद्यालयों के संयुक्त तत्वावधान में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं, शिक्षक शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर मदन जायसवाल, विशिष्ट अतिथि बैकुंठ जायसवाल, संकुल प्राचार्य रामशरण प्रजापति, संकुल समन्वयक संजय जायसवाल उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों का तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में संकुल के अंतर्गत आने वाले हाई स्कूल महुली, पीएमश्री विद्यालय महुली, माध्यमिक शाला महुली, माध्यमिक शाला कोल्हुआ, प्राथमिक शाला कछवारी, प्राथमिक शाला पहाड़पारा तथा प्राथमिक शाला बोकरटोला के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शामिल हुए। शासन की मंशा के अनुरूप सभी विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं कॉपियों का वितरण भी किया गया। नई किताबें प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने तथा शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने की अपील की गई। आयोजन को सफल बनाने में संकुल के सभी शिक्षकों, प्रधान पाठकों एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मदन जायसवाल, विशिष्ट अतिथि बैकुंठ जायसवाल, संकुल प्राचार्य रामशरण प्रजापति, संकुल समन्वयक संजय जायसवाल सहित संकुल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

4 माह से बंद सोलर पंप, पेयजल संकट से जूझ रहे स्कूल, आंबा केंद्र और ग्रामीण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अवंतिकापुर के स्कूल परिसर में स्थापित सोलर डुअल पंप पिछले लगभग चार माह से बंद पड़ा है। पंप बंद होने से विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत कार्यालय, उचित मूल्य दुकान तथा गौटियापारा के 5 सौ से अधिक ग्रामीण पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। नए शैक्षणिक सत्र की

शुरूआत के साथ यह समस्या और भी गंभीर हो गई है।। विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र संचालित होने के बाद प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे यहां पहुंच रहे हैं, लेकिन परिसर में पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं होने से उन्हें पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को भी पेयजल की व्यवस्था करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि यही सोलर डुअल पंप गौटियापारा के पेयजल का मुख्य स्त्रोत है। पंचायत कार्यालय आने वाले लोग तथा उचित मूल्य दुकान के हितग्राही भी इसी पंप के पानी का उपयोग करते थे। पंप बंद होने के कारण लोगों को दूर-दराज के जलस्त्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है।

जनदर्शन में शिकायत भी बेअसर

ग्रामीणों का कहना है कि इस गंभीर समस्या की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में भी की जा चुकी है, लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा पंप की मरम्मत या वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्कूल परिसर में बंद पड़े सोलर डुअल पंप को तत्काल चालू कराया जाए तथा जब तक इसकी मरम्मत नहीं होती, तब तक स्कूल, आंगनबाड़ी और ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों और आमजन को राहत मिल सके।

फेडरेशन ने किया नवपदस्थ सहायक संचालक का स्वागत, शिक्षा में नव सृजन का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े कर्मचारी संगठन सहायक शिक्षक/ समग्र शिक्षक फेडरेशन सूरजपुर के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा नवपदस्थ सहायक संचालक शिक्षा अजय कुमार सिंह का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। नवपदस्थ सहायक संचालक अजय कुमार सिंह सरल स्वभाव, मृदुभाषी एवं मिलनसार होने के साथ साथ शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु बेहद सक्रिय रहने वाले व्यक्तित्व हैं। फेडरेशन के पदाधिकारीयों से चर्चा के दौरान उन्होंने अपने शैक्षणिक एवं संगठनात्मक अनुभव साझा किया तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन सम्मानजनक तरीके से करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने तथा नव सृजन किए जाने हेतु प्रेरित किया। श्री सिंह के सहायक संचालक बनाए जाने से शिक्षा महकमे हर्ष व्याप्त है। इस दौरान फेडरेशन के जिलाध्यक्ष विजय साहू, महासचिव देवेंद्र पांडेय, सचिव शशिभूषण दुबे, महामंत्री बृजेश तिवारी, कोषाध्यक्ष विवेक पैकरा, खिरोधन सिंह एवं अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

कांग्रेस के आपातकाल रूपी काले अध्याय को कभी नहीं भूलेगा देश- कमलभान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला भाजपा कार्यालय अटल कुंज में कांग्रेस शासन के दौरान लगाए गए आपातकाल के 51 वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व सांसद कमलभान सिंह थे। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज है, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया था। इस दौरान देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की भावना तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुलेआम हनन किया गया। विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं, पत्रकारों और लोकतंत्र की आवाज उठाने वाले हजारों लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया। प्रेस पर सेंसरशिप लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का प्रयास किया गया तथा देश में भय और दमन का वातावरण निर्मित किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आपातकाल के उन संघर्षों और बलिदानों को सदैव स्मरण रखती है, जिनकी बदौलत देश में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई। आज की युवा पीढ़ी को भी यह जानना आवश्यक है कि किस प्रकार कांग्रेस ने सत्ता के अहंकार में लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना को आघात पहुंचाया था।

उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और राष्ट्रहित की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।। कमलभान सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। वहीं कांग्रेस आज भी अपने अतीत के उन कृत्यों पर आत्ममंथन करने के बजाय जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आपातकाल की घटनाएं केवल इतिहास का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक स्थायी चेतावनी भी हैं। सवाल के जवाब में श्री सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां लोकतंत्र की महत्ता को समझ सकें और किसी भी प्रकार की तानाशाही प्रवृत्ति के प्रति सजग रहें। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संत सिंह, शशिकांत गर्ग जिला महामंत्री भाजपा, शैलेश अग्रवाल नगर पालिका उपाध्यक्ष, प्रदीप द्विवेदी जिला सह मीडिया प्रभारी, दीपेंद्र चौहान नगर पंचायत उपाध्यक्ष, बल्लू गोयल पवन मिश्रा, पवन साहू सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा ने 'संविधान हत्या दिवस', आपातकाल पर प्रेस वार्ता आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा बुधवार को जिला भाजपा कार्यालय में ₹संविधान हत्या दिवस - आपातकाल 1975₹ के संदर्भ में वार्ता का आयोजन किया गया।

कांग्रेस की तानाशाही को किया याद

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता माननीय राम लखन पैकरा ने कहा कि ₹25 जून 1975 की काली रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार ने देश में आपातकाल थोपकर संविधान और लोकतंत्र की हत्या की थी। मौलिक अधिकार छीन लिए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई और एक लाख से अधिक लोकतंत्र सेनानियों को जेल में डाल दिया गया था। श्री पैकरा ने कहा कि जनसंघ और भाजपा के हजारों कार्यकताओं ने कांग्रेस की तानाशाही के खिलाफ जेल की यातनाएं सही, लेकिन लोकतंत्र की मशाल बुझने नहीं दी। आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करने वाले बलरामपुर जिले के सेनानियों को भी उन्होंने नमन किया।

नई पीढ़ी को बताएं सच

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण मिश्रा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को यह बताना जरूरी है कि कांग्रेस ने सत्ता के लोभ में कैसे देश को 21 महीने तक जेल में तब्दील कर दिया था। भाजपा का हर कार्यकर्ता लोकतंत्र का प्रहरी है और भविष्य में कोई भी सरकार ऐसा दुस्साहस न कर सके, इसका संकल्प लेना होगा।

मीडिया से आग्रह

प्रेस वार्ता प्रभारी एवं जिला मीडिया प्रभारी जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था।

'सरगुजा की जेल में कैद था लोकतंत्र, पर झुका नहीं था जनमानस'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। 25 जून 1975 की रात भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। आपातकाल लागू होते ही मौलिक अधिकार निष्प्रभावी हो गए, अखबारों पर सेंसर लगा, विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया। यह केवल राजनीतिक फैसला नहीं, लोकतांत्रिक मूल्यों की सबसे कठिन परीक्षा थी। दिल्ली, जेपी, अटल जी, आडवाणी की लड़ाई तो इतिहास में दर्ज है। पर लोकतंत्र की लड़ाई सरगुजा की मिट्टी में भी उतनी ही मजबूती से लड़ी गई। अम्बिकापुर जेल उस दौर में लोकतंत्र सेनानियों का मौन केंद्र बन गई थी। उनका अपराध सिर्फ इतना था कि वे लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी में विश्वास रखते थे।

सरगुजा की जेल की दीवारों के भीतर जो नाम गूंजे :-

काका लरंग साय - पद नहीं, सरलता और सेवा से जन-जन के नेता। जेल में लकड़ी फाड़ते थे, फिर भी कहते - 'श्रम ही जीवन, सेवा ही धर्म'। साथियों के लिए प्रेरणा बने।

प्रभू नारायण त्रिपाठी - राष्ट्रवादी राजनीति का सशक्त चेहरा। जेल में भी ओजस्वी स्वर से साथियों का मनोबल बढ़ाते रहे। उनका विश्वास था - जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

देवेश्वर सिंहः व्यक्तिगत कष्ट से ऊपर लोकतांत्रिक मूल्य। जेल में साथियों को निराश न होने दिया। बाद में विधायक बनकर संघर्ष को जनसेवा में बदला।

रेवती रमण मिश्र - लोकतंत्र को सत्ता नहीं, जनविश्वास की व्यवस्था मानते थे। आपातकाल ने उनकी चेतना को और परिपक्व किया।

युवा रविशंकर त्रिपाठी - कम उम्र में साहस की मिसाल। जेल में भी निर्भीकता से कहते रहे -

मोहर्रम को लेकर करंजी चौकी में हुई शांति समिति की बैठक

सुरजपुर। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं आपसी सौहार्द के साथ संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देशन तथा चौकी प्रभारी विशाल मिश्रा के अध्यक्षता में पुलिस चौकी करंजी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चौकी प्रभारी करंजी विशाल मिश्रा ने उपस्थित लोगों से मोहर्रम के दौरान शांति, भाईचारा और आपसी सद्भाव बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। पर्व-त्योहार सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का अवसर होता हैं। उन्होंने लोगों से प्रशासनिक निदेशों का पालन करने और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया।

रजबहर संकुल में धूमधाम से मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

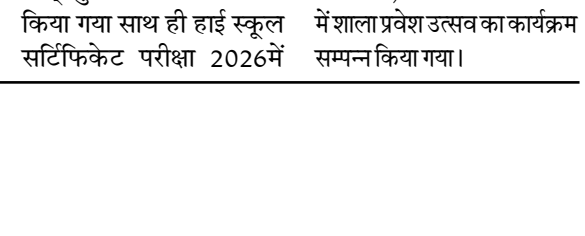

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। विकासखण्ड अंतर्गत संकुल केंद्र रजबहर के शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 1ली 6वीं एवं 9वीं में नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं का अतिथियों द्वारा फूलमाला पहनाकर, रोली-तिलक लगाकर एवं मुँह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया गया। नवप्रवेशी बच्चों को निःशुल्क गणवेश एवं पाठ्यपुस्तक सेट का वितरण किया गया साथ ही हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2026में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष रामावतार देवांगन एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, घनश्याम सिंह एवं विनोद कुमार यादव बीआरपी भैयाथान, सरपंच ललिता सिंह, एसएमडीसी पदाधिकारी एवं पालकगण परमेश्वर कुशवाहा, विशेश्वर कुशवाहा, संजय जायसवाल, विजय पैकरा, संतोष पैकरा, लालता पैकरा, नीमलेश सोनपाकर, की गरिमामयी उपस्थिति में शाला प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

सम्पादकीय

चीन के साथ संबंध बढ़ाएं लेकिन सावधानी जरूरी

आखिरकार कई साल के तनाव के बाद भारत और चीन के बीच व्यापारिक रिश्ते बहाल हो गए हैं। आज के बदलते वैश्विक माहौल में दोनों के बीच यह जरूरी भी है। चूंकि खाड़ी युद्ध के बाद दुनिया में चीन की स्वीकार्यता बढ़ी है। भारत और चीन ही ऐसे देश हैं जहां खाड़ी संकट से पैदा हुए हालातों का बेहद कम असर रहा है। अब दोनों देशों के रिश्तों में एक बार फिर गर्मजोशी दिखाई देने लगी है। वर्ष 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच जो अविश्वास की दीवार खड़ी हो गई थी, वह अब धीरे-धीरे कम होती नजर आ रही है। हालांकि भारतीय उद्योग परिसंघ ने चेतावनी दी है कि चीन के साथ कारोबार और करार करने से पहले काफी सतर्क रहने की जरूरत है। चीन के साथ भारत संबंध बढ़ाए, लेकिन सावधानी रखना भी उतना ही जरूरी है। नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सम्मेलन में भी दोनों देशों के बीच काफी गर्मजोशी देखने को मिली। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन के लिए एक-दूसरे के 'मूल हितों' का सम्मान करना और दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति पर क्रियान्वयन के लिए ठोस कदम उठाना अनिवार्य है। वहीं, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी कहा कि भविष्य के लिए दोनों देशों को साथ आना होगा। आज का वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव और अमेरिका की आक्रामक आर्थिक नीतियों के बीच चीन की भूमिका पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है। ऐसे समय में भारत और चीन, जो दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं, उनके बीच संवाद और सहयोग की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, आर्थिक आंकड़े एक अलग कहानी भी बयां करते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में चीन अमेरिका को पीछे छोड़कर भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। द्विपक्षीय व्यापार 151.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारत का चीन को निर्यात बढ़ा जरूर है, लेकिन आयात कहीं अधिक तेजी से बढ़ा है। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा बढ़कर 112 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसका अर्थ है कि भारत की बाजार व्यवस्था और विनिर्माण क्षेत्र अभी भी चीनी उत्पादों पर अत्यधिक निर्भर हैं। दूसरी ओर, भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की चीन के साथ बढ़ती नजदीकियां भी भारत के लिए रणनीतिक चुनौती हैं। ऐसे में बीजिंग के साथ संवाद बनाए रखना और तनाव कम करना भारत के हित में है, लेकिन मित्रता और निर्भरता में अंतर होता है। भारत को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, जिससे उसकी रणनीतिक स्वायत्तता प्रभावित हो या राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों पर आंच आए। भारत और चीन के बीच संबंधों का भविष्य केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। सीमा विवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और वैश्विक मंचों पर समन्वय जैसे अनेक मुद्दे दोनों देशों के एजेंडे में शामिल हैं। इसलिए संबंधों का आधार केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि पारस्परिक सम्मान और विश्वास होना चाहिए। चीन यदि वास्तव में संबंधों को नई दिशा देना चाहता है, तो उसे सीमा पर स्थायी शांति और विश्वास निर्माण के लिए भी ठोस कदम उठाने होंगे। भारत के लिए सबसे उपयुक्त नीति यही होगी कि वह चीन के साथ संवाद बढ़ाए, व्यापार करे, निवेश आकर्षित करे और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत बनाए, लेकिन राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं।

व्यवस्था

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

शैक्षणिक व्यावसायिकता का अक्षम्य अपराध

लखनऊ की हवा में अभी भी धुएं और जले हुए सपनों की गंध घुली हुई है; पूरा शहर और पूरा देश इस वीभत्स मंजर को देखकर स्तब्ध है। पंद्रह बच्चे जो कल तक अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने बुन रहे थे, जो अपने माता-पिता की आंखों के तारे थे, आज वे केवल राख का एक ढेर बनकर रह गए हैं। यह सीधे तौर पर उस व्यावसायिक आपराधिकता का अत्यंत वीभत्स चेहरा है, जिसने शिक्षा-व्यवस्था को मौत का कुआं बना दिया है। इतिहास गवाह है कि लखनऊ की यह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है।

यह देश के विभिन्न कोनों में कोचिंग संचालकों द्वारा लगातार की जा रही आपराधिक लापरवाहियों की एक अंतहीन और खूनी कड़ी है। हमें दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर की वह भयावह घटना नहीं भूलनी चाहिए, जहां एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में चल रही लाइब्रेरी में अचानक पानी भर जाने से तीन होनहार छात्रों की डूबने से मौत हो गई थी। वह पानी कोई प्राकृतिक बाढ़ नहीं था, बल्कि संस्थान के मालिक द्वारा नियमों को ताक पर रखकर, बिना किसी ड्रेनेज या आपातकालीन निकास के बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधि चलाने का प्रत्यक्ष परिणाम था। इसी तरह, सूरत के तक्षशिला आर्केड की वह रूह कंपा देने वाली आग आज भी देश के जेहन में ताजा है, जहाँ सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाकर बनाई गई चौथी मंजिल पर चल रहे कोचिंग सेंटर में आग लगने के कारण बच्चों को जान बचाने के लिए ऊपर से कूदना पड़ा था। दिल्ली के मुखर्जी नगर में भी कोचिंग सेंटर की आग से बचने के लिए छात्रों का तारों के सहारे लटककर खिड़कियों से कूदना इस बात का जीता-जागता सबूत है कि इन संस्थानों के संचालकों के लिए बच्चों की जान की कीमत कौड़ियों के बराबर भी नहीं है। केवल हादसे की जगह बदलती रही, मरने वाले मासूम बदलते रहे, लेकिन गुनाहगार का चरित्र वही रहा।

जब कोई व्यक्ति एक कोचिंग संस्थान खोलता है तो वह केवल एक भवन किराए पर नहीं लेता, बल्कि वह समाज के सामने एक जिम्मेदार संस्थान होने का दावा प्रस्तुत करता है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब भी ऐसी कोई भयानक त्रासदी होती है तो सारा दोष प्रशासनिक तंत्र, दमकल विभाग या स्थानीय नगर निगम के मत्थे मढ़कर असली अपराधी बच निकलते हैं। हमें यह स्पष्ट रूप से समझना होगा कि जब एक कोचिंग सेंटर का मालिक छात्रों से लाखों रुपये की मोटी फीस वसूलता है तो उस प्रत्येक पैसे के बदले छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी पहली, अंतिम और एकमात्र व्यक्तिगत जिम्मेदारी बन जाती है। सरकार से एनओसी प्राप्त करना या सुरक्षा मानकों का पालन करना कोई प्रशासनिक औपचारिकता या जबरन थोपा गया नियम नहीं है, बल्कि यह उस व्यवसाय को चलाने की एक ऐसी बुनियादी शर्त है जिसे पूरा किए बिना संस्थान की एक ईंट भी नहीं रखी जानी चाहिए थी। यदि किसी संचालक ने बिना इन व्यवस्थाओं के संस्थान खोला तो उसने केवल नियम नहीं तोड़े, बल्कि उसने जानबूझकर पंद्रह बच्चों की हत्या की साजिश रची।

तंग और संकरी गलियों में बनी ये ऊंची-ऊंची इमारतें और भूमिगत बेसमेंट में संचालित होते कोचिंग सेंटर, किसी मौत के कुएं से कम नहीं हैं और इनका निर्माण

किसी सरकारी अधिकारी ने नहीं, बल्कि कोचिंग सेंटर के मालिकों ने अपने निजी स्वार्थ और जगह के अधिकतम व्यावसायिक दोहन के लिए किया है। सूरत की आग से लेकर दिल्ली के बेसमेंट में भरे पानी से गोते हुए लखनऊ की इन लपटों तक, हर बार यह साबित हुआ है कि संचालकों को केवल इस बात से सरोकार होता है कि एक छोटे से कमरे में कितने ज्यादा से ज्यादा छात्रों को ठूंसा जा सकता है। अभिभावक अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आस में अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी, अपनी गाढ़ी कमाई इन संस्थानों के काउंटरों पर लाकर झोंक देते हैं। वे यह सोचकर निश्चिंत हो जाते हैं कि उनका बच्चा कल का डॉक्टर, इंजीनियर या बड़ा प्रशासनिक अधिकारी बनेगा और देश का नाम रोशन करेगा। लेकिन विडंबना देखिए, शिक्षा के इस अंधाधुंध बाजारीकरण ने इंसानियत को इतना बौना और लाचार कर दिया है कि आज इन व्यापारिक आकाओं के लिए मुनाफा, बच्चों के अनमोल जीवन से बहुत बड़ा हो चुका है।

अब समय आ गया है कि ऐसी स्थिति में कोचिंग सेंटर के मालिकों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। हमें सामूहिक रूप से यह मांग करनी होगी कि देश के प्रत्येक कोचिंग सेंटर का सुरक्षा ऑडिट केवल कागजों पर न हो, बल्कि धरातल पर उसकी कड़ाई से जांच की जाए। यदि कोई भी संस्थान सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करता तो उसे हमेशा के लिए सील कर दिया जाना चाहिए और उसके संचालक को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटर के मालिक पर केवल लापरवाही का हल्का मुकदमा चलाने के बजाय सीधे तौर पर हत्या या गैर-इरादतन हत्या की संगीन धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

सूरत, दिल्ली और अब लखनऊ के हादसों के बाद भी अगर संचालकों के भीतर कानून का खौफ पैदा नहीं हुआ तो वे देश की न्याय व्यवस्था को अपने मुनाफे के आगे बौना समझते रहेंगे। इन व्यावसायिक संस्थानों को रिहायशी और तंग इलाकों से पूरी तरह बाहर निकालकर केवल उन्हीं स्थानों पर संचालित करने की अनुमति दी जानी चाहिए जो पूरी तरह से सुरक्षित और खुले हों। यदि शिक्षा प्राप्त करने का अर्थ अपनी जान को जोखिम में डालना है तो समाज को ऐसी खूनी शिक्षा व्यवस्था को तुरंत नकार देना चाहिए। संचालकों की यह व्यावहारिक और नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे स्वयं अपने संस्थानों को तब तक बंद रखें जब तक कि वे छात्रों को एक पूर्ण सुरक्षित वातावरण देने में सक्षम न हो जाएं। लखनऊ की यह भीषण त्रासदी, दिल्ली के बेसमेंट का वह खौफनाक मंजर और सूरत में बिखरी हुई मासूमों की राख आज हमें चीख-चीख कर एक गंभीर चेतावनी दे रही है। क्या हम केवल अगली किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं ताकि फिर से शोक व्यक्त कर सकें? अब वक्त आ गया है कि इस अंधी और बहरी व्यवस्था की नींद को हमेशा के लिए तोड़ा जाए और इसके असली दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए, क्योंकि अगर आज हम चुप रहे और हमने अपनी आवाज बुलंद नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां हमारी इस कायरता और मौन के लिए हमें कभी माफ नहीं करेंगी। यह समय चुप रहकर तमाशा देखने का नहीं है, बल्कि इस पूरे खूनी व्यापार के संचालकों को समाज का असली आईना दिखाने और उन्हें उनके इस अक्षम्य अपराध की पूरी सजा दिलाने का है। यदि हम समाज के तौर पर आज भी नहीं जागे और हमने इन मुनाफाखोर कोचिंग मालिकों को उनके कर्मों की सजा नहीं दिलाई तो यह खूनी सिलसिला देश के किसी न किसी कोने में निरंतर चलता रहेगा।

(लेखक शिक्षण क्षेत्र से जुड़े हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

> पंद्रह बच्चे जो कल तक अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने बुन रहे थे, जो अपने माता-पिता की आंखों के तारे थे, आज वे केवल राख का एक ढेर बनकर रह गए हैं। यह सीधे तौर पर उस व्यावसायिक आपराधिकता का अत्यंत वीभत्स चेहरा है, जिसने शिक्षा-व्यवस्था को मौत का कुआं बना दिया है। इतिहास गवाह है कि लखनऊ की यह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है। यह देश के विभिन्न कोनों में कोचिंग संचालकों द्वारा लगातार की जा रही आपराधिक लापरवाहियों की एक अंतहीन और खूनी कड़ी है। यदि हम समाज के तौर पर आज भी नहीं जागे और हमने इन मुनाफाखोर कोचिंग मालिकों को उनके कर्मों की सजा नहीं दिलाई तो यह खूनी सिलसिला देश के किसी न किसी कोने में निरंतर चलता रहेगा।

रक्षा क्षेत्र

प्रमोद भार्गव

भारत की समुद्र में बढ़ती सैन्य ताकत

रक्षा क्षेत्र में जबसे निजी उद्योगपतियों को रक्षा सामग्री के निर्माण की अनुमति दी है, तब से समुद्र में भारत की ताकत निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन नौसैनिक जहाजों आइएनएस दूनागिरी, आइएनएस संशोधक और आइएनएस अग्रय को नौसेना के बेड़े को सुपुर्द करते हुए कहा है कि 'कोई भी राष्ट्र समुद्र में अपनी क्षमता बढ़ाए बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता है। समुद्र से ही विकास, सुरक्षा और समृद्धि जुड़ी है। जब समुद्र में किसी भी स्थिति से निपटने में कोई सक्षम होता है, तो इससे आर्थिक व रणनीतिक प्रभाव बढ़ता है। स्वदेशी तकनीक से निर्मित तीनों युद्धपोत सेना में शामिल किए जा रहे हैं।' वाकई भारत की समुद्र में ताकत बढ़ी है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश में ही निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां समुद्र में तैनात कर दिए हैं। निजी क्षेत्र द्वारा रक्षा सामग्री उत्पादन से पहले एक समय ऐसा भी था, जब भारत हर छोटे-बड़े रक्षा उपकरणों को आजाद करने के लिए दूसरे देशों का मुंह ताकता रहता था। इस स्थिति के चलते रणनीतिज्ञ और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने वाले ये जहाज और पनडुब्बियां भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ देश की औद्योगिक क्षमता बढ़ाने वाली है। आने वाले दिनों में इनके निर्यात के द्वार भी खुल जाएंगे। अतएव आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल देश की ब्लू इकोनोमी का बड़ा केंद्र बन जाएगा। भारत में नौसैनिकों की सुविधाओं के लिए 45 बड़े प्लेटफॉर्म भी तैयार किए जा रहे हैं। आइएनएस दूनागिरी अत्याधुनिक हथियारों और संवेदनशील प्रणालियों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल से संपन्न है। ब्रह्मोस सतह से सतह और सतह से आकाश तक शत्रु पर सटीक हमला करने में युद्धपोत पर लगे नवीनतम उपकरण एवं स्टेल्थ तकनीक के कारण यह मिसाइल रडार की पकड़ में नहीं आती है। इसकी इस विलक्षणता के चलते ब्रह्मोस मिसाइल को दूसरे देश भी खरीद रहे हैं। आइएनएस संशोधक देश का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत है। इसे तटीय क्षेत्रों व गहरे समुद्री इलाकों में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने तथा रक्षा एवं नगरिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। आइएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों और अन्य खतरों का मुकाबला करने में इसे अत्यंत प्रभावी माना जा रहा है।

यह टारपीडो, स्वदेशी रॉकेट लांचर और उथले जल के लिए विकसित सोनार प्रणाली से लैस है। इसके चलते समुद्र के भीतर गुप्त खतरे का इसे पता चल जाता है। स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की इस क्षमता ने भारत को पोत निर्माण में आत्मनिर्भर बना दिया है। इस उपलब्धि से समुद्र में भारतीय हितों की रक्षा का अभियान और प्रभावी ढंग से चलाया जा सकेगा। इससे हमारी सैन्य क्षमताओं में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई है। इस उपलब्धि के हासिल हो जाने के बाद हम समुद्र के भीतर से दुश्मन देशों पर हमला करने में सक्षम हुए हैं। परमाणु पनडुब्बी निर्माण के क्षेत्र में अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के बाद भारत छठे देश की कड़ी में शामिल हो गया है। भारत अब पनडुब्बी निर्माण के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर है। पहले से ही नौसेना के पास 15 पारंपरिक और दो परमाणु हथियार संपन्न पनडुब्बियां हैं। पनडुब्बियों की संख्या बढ़ाने के लिए 55000 करोड़ रुपये से छह पनडुब्बियों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। मझगांव डॉक्स, निजी पोत निर्माण कंपनी एलएंडटी और नौसेना के बीच प्रोजेक्ट-75 इंडिया के तहत ये पनडुब्बियां स्वदेषी तकनीक से निर्मित की जा रही हैं। मेक इन इंडिया परियोजना के तहत यह अब तक की सबसे बड़ी परियोजना है। रक्षा सामग्री उत्पादन संस्थान अब भारतीय सेना की जरूरतों की पूर्ति के साथ विदेशी पूंजी निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रही है। नौसेना की ताकत बढ़ाना इसलिए जरूरी है, क्योंकि चीन दक्षिण सागर में नौसेना की ताकत न केवल बढ़ा रहा है, बल्कि दूसरे देशों के सागर क्षेत्र में भी घुसपैठ करने में लगा है। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में अपना युद्धपोत तैनात कर दिया है। नौसेना ने चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में आने वाले अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के नजदीक मलक्का स्ट्रेट में चीनी नौसेना के प्रवेश द्वार के निकट भी जहाज तैनात किए हैं, जिससे चीन की षड्यंत्रकारी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। यहीं से चीन के कई माल-वाहक जहाज अन्य महाद्वीपों में आते-जाते हैं। जहाजों की इन तैनातियों से भारतीय नौसेना ने पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही मोर्चों पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए कमर कसी हुई है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी

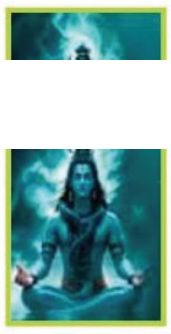

संकलित

दर्शन

केवल ज्ञान हमारी चेतना का उत्थान नहीं कर सकता है। अनुभव के बिना ज्ञान बिल्कुल वैसा ही है, जैसे कि बिना लक्ष्य की प्राप्ति हुए गधे पर बैठकर दौड़ना। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम सीमित व्यक्ति नहीं, बल्कि ईश्वर का अभिन्न अंग हैं। शिव एक खाली स्थान की भांति, दिन और रात, सुख और दुख से अप्रभावित रहते हैं। शिव हमारे भीतर ही रहते हैं और भीतर से ही हमें आशीर्वाद देते हैं। यह वैसा ही है कि जिस प्रकार से बुरे स्वप्न से जागकर हमें यह पता चलता है कि हम सुरक्षित हैं। श्री रुद्रम को सुनने के बाद हमें हमारे वास्तविक स्वभाव के बारे में जागृति होती है, जो ईश्वर ही है। केवल धर्म संस्कार हमारा उत्थान नहीं कर सकते हैं। वास्तविक उत्थान भीतरी रूपांतरण, सरलता और ईश्वर के साथ अपने संबंध को पहचानने से होता है। शिव का सौंदर्य विविधता में मौजूद है। जिस प्रकार से सूर्य का प्रकाश सब जगह एक समान पड़ता है, वैसे ही शिव हर एक चीज में मौजूद है। जैसे - मिट्टी के गड्ढों में, घने जंगलों में, रेगिस्तान और पहाड़ों में, सब जगह पर शिव व्याप्त हैं। शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी। उनका प्रेम सबके लिए है, इसमें कोई शर्त नहीं है और जो जैसा है, उसे शिव वैसे ही स्वीकार करते हैं। हमारी प्रवृत्तियों में मौजूद शत्रु हमारे विकास में बाधा डालते हैं। शिव से जुड़ जाने से, उनकी भक्ति करने से ये सारे भीतरी शत्रु यानी बुराइयां समाप्त हो जाती हैं और हमें बाहरी जगत की चुनौतियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

महिमा राम नाम की

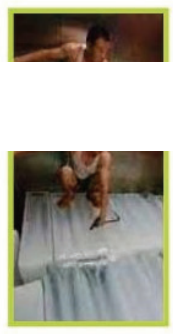

संकलित

प्रेरणा

एक आदमी बर्फ बनाने वाली कंपनी में काम करता था। एक दिन कारखाना बन्द होने से पहले अकेला फ्रिज करने वाले कमरे का चक्कर लगाने गया तो गलती से दरवाजा बंद हो गया। और वह अंदर बर्फ वाले हिस्से में फंस गया छुट्टी का वक्त था और सब काम करने वाले लोग घर जा रहे थे। किसी ने भी अधिक ध्यान नहीं दिया की कोई अंदर फंस गया है। वह समझ गया की दो-तीन घंटे बाद उसका शरीर बर्फ बन जाएगा अब जब मौत सामने नजर आने लगी तो, भगवान को सच्चे मन से याद करने लगा। एक घंटे ही गुजरे थे कि अचानक फ़्रीजर रूम में खट खट की आवाज हुई। दरवाजा खुला चौकीदार भागता हुआ आया। उस आदमी को उठाकर बाहर निकाला और गर्म हीटर के पास ले गया। उसकी हालत कुछ देर बाद ठीक हुई तो उसने चौकीदार से पूछा, आप अंदर कैसे आए? चौकीदार बोला कि साहब मैं 20 साल से यहां काम कर रहा हूं। इस कारखाने में काम करते हुए हर रोज सैकड़ों मजदूर और ऑफिसर कारखाने में आते जाते हैं। मैं देखता हूं लेकिन आप उन कुछ लोगों में से हो, जो जब भी कारखाने में आते हो तो मुझसे हंस कर राम राम करते हो और हालचाल पूछते हो और निकलते हुए आपका राम राम काका कहना मेरी सारे दिन की थकावट दूर कर देता है। जबकि अक्सर लोग मेरे पास से यूं गुजर जाते हैं कि जैसे मैं हूं ही नहीं। आज हर दिनों की तरह मैंने आपका आते हुए अभिवादन तो सुना लेकिन राम राम काका सुनने के लिए इंतज़ार करता रहा।

सटाका

आज की पाती

भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया

आधुनिक विज्ञान के इस युग में मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग में जब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों में फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इसके बावजूद सवाल यह है कि भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया? - *कविता वर्मा, रोहतक*

ट्रेंड

'राष्ट्र प्रथम' की भावना

नक्सल प्रभावित उन इलाकों में, जहा लोग दिन में भी बाहर निकलने से डरते थे, हमने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ विकास का संकल्प लेकर कदम आगे बढ़ाए है।नतीजा यह है कि आज देश में माओवादी आतंकवाद अपने अंतिम दिन गिन रहा है।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

गहरी संवेदना

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना में कई लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर बेहद दुखद है। मैं सभी पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

हार्दिक शुभकामनाएं

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर सभी खिलाड़ियों और देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। खेल अनुशासन, समर्पण, आत्मविश्वास और उत्कृष्टता की भावना को बढ़ावा देते हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने हमेशा वैश्विक मंच पर देश का मान बढ़ाया है।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

राम मंदिर

राम मंदिर का पूरा कंट्रोल चंपत राय के हाथों में है। सबसे ज्यादा आरोप खुद चंपत राय पर ही लग रहे हैं। उन्हें अब तक हटाया क्यों नहीं गया है? क्या इस बात का डर है कि अगर चंपत राय ने मुंह खोला, तो कई बड़े चेहरे बेनकाब हो जाएंगे ?

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

एआई कंपनियां पर्यावरण प्रभाव पर रिपोर्ट जारी करें

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंपनियों से अपने कार्बन उत्सर्जन तथा संस्थान के संचालन में उपयोग में लाये जाने वाले जल और जमीन के बारे में रिपोर्ट जारी करने की अपील की। गुतारेस ने 'लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक' में अपने संबोधन के दौरान कार्रवाई का आग्रह करते हुए एआई पर्यावरण पारदर्शिता पहल का प्रस्ताव किया। उन्होंने तर्क दिया कि एआई कंपनियों को अपनी तेजी से लोकप्रिय हो रही प्रौद्योगिकी के असर को मापना और उसे सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही वह प्रभाव है जिसे डेटा सेंटर के तेजी से बढ़ते विस्तार पर रोक लगाने की वजह बताया जा रहा है। इन कंपनियों पर सरकारों और उन इलाकों के स्थानीय लोगों, जहां एआई के डेटा सेंटर हैं, की ओर से लगातार दबाव बढ़ रहा है कि वे अधिक पारदर्शिता बरतें और पूरे उद्योग में जानकारी साझा करने के लिए एक जैसा मानक अपनाएं। गुतारेस ने कहा कि एआई कंपनियों को 2030 तक अपने संस्थानों को पवन और सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय प्रौद्योगिकी से बनी बिजली से संचालित करने का संकल्प लेना चाहिए। गुतारेस ने यूरोप के सबसे बड़े स्वतंत्र जलवायु सम्मेलन में कहा, 'अब कोई छिपी हुई लागत नहीं...अब उन लोगों पर बोझ नहीं डाला जाएगा जो इसे वहन करने में सबसे कम सक्षम हैं।

ऑफ बीट

प्रौद्योगिकी आपका समय चुरा रहा

प्रौद्योगिकी अमूमन हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए होती है। स्मार्ट फोन दुनिया को हथेली के आकार की खिड़की प्रदान करते हैं, जिससे हम एक बटन के स्पर्श से लगभग कुछ भी करने में सक्षम हो जाते हैं। स्मार्ट घर अपनी देखभाल खुद करते हैं, और आभासी बैठकों का मतलब है कि कई लोगों के लिए, आने-जाने में बिताया गया समय अतीत की बात हो गई है। तो इसका मतलब यह है कि हमारे पास अधिक खाली समय होना चाहिए। जो समय अब सोने, आराम करने या कुछ भी न करने में व्यतीत हो रहा है - ठीक है? यदि यह विचार कि आपके पास पहले से कहीं अधिक समय है, आपको कुछ सोचने पर मजबूर कर रहा है, तो आप अकेले नहीं हैं। इस बात के बढ़ते सबूत हैं कि डिजिटल तकनीक हमें कुछ समय बचाने में मदद कर सकती है, लेकिन हम उस समय का उपयोग ज्यादा से ज्यादा काम करने में करते हैं। हमने हाल ही में पूरे यूरोप में 300 लोगों का साक्षात्कार लिया, यह समझने के लिए कि वे दैनिक जीवन में डिजिटल उपकरणों का उपयोग कैसे करते हैं। इस शोध से पता चला कि लोग अपने जीवन में खाली समय से बचना चाहते हैं, इसलिए इस दौरान वह उन कार्यों को पूरा करते हैं, जिनमें से कुछ प्रौद्योगिकी के बिना संभव नहीं होंगे।

खबर संक्षेप

बंगाल में मिड डे मील में अंडे नहीं होंगे

कोलकाता। बंगाल में हालिया विवाद पश्चिम बंगाल में कोलकाता के स्कूलों के मिड-डे मील में इस्कॉन के सहयोग से सात्विक भोजन परोसने की योजना के बाद अंडे हटाने पर नई बहस छिड़ गई है। टीएमसीने इसे बच्चों से पोषण छीनने और शाकाहार थोपने की कोशिश करार दिया है, जबकि भाजपा ने स्वास्थ्य और खाने की गुणवत्ता को प्राथमिकता देने की बात कही है।

मान की मुश्किलें, भाजपा कांग्रेस ने मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली। पंजाब के सीएण भगवंत मान के एक वायरल वीडियो के चलते उन पर गुरुओं के अपमान का गंभीर आरोप लगाया गया है। इसको लेकर मचे राजनीतिक बवाल पर विपक्ष में बैठी कांग्रेस और भाजपा सीएम के खिलाफ आक्रामक है। दोनों ही मान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उधर सीएम मान लगातार आरोपों को झूठ और वायरल वीडियो को फर्जी बता रहे हैं।

मुंबई लोकल में युवक की चाकू मारकर हत्या

मुंबई। लोकल ट्रेन में दरवाजे को लेकर हुआ मामूली विवाद एक युवक की मौत का कारण बन गया। चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल में सफर कर रहे 22 वर्षीय मयंक लोहार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना सोमवार देर रात की है। मयंक फर्स्ट क्लास डिब्बे में थे। इउन्होंने एक यात्री से ट्रेन का दरवाजा बंद करने के लिए कहा।

उत्तरकाशी में लापता युवती की तलाश शुरू

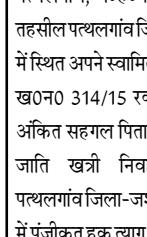

उत्तरकाशी। दयारा बुग्याल ट्रैक पर लापता बबीता पांडे मामले में पुलिस सहित खोज-बचाव टीम ने दोबारा नए सिरे से जांच व खोजबीन शुरू कर दी है। रेसक्यू टीम की ओर से नटीण के घने जंगलों में भालू आवासीय संभावित क्षेत्रों में सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

कोलकाता में तारातला में निर्माणाधीन गोदाम ढहा

5 लोगों के मौत की आशंका व 55 लोग अभी भी फंसे, सेना ने संभाला मोर्चा

ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर हुआ यह हादसा

पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची, सीएम सुवेंदु ने भी लिया जायजा

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार दोपहर एक भयानक हादसा हो गया। यहां ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर एक तीन मंजिला निर्माणाधीन गोदाम अचानक गिर गया। इस हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत की आशंका है। 55 लोगों के फंसे होने की भी खबर है। मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों के दबे हैं। पुलिस और प्रशासन की टीमें राहत और बचाव अभियान में जुटी हैं। सीएम सुवेंदु अधिकारी भी स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि अब तक 10 लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। सभी को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। यह हादसा दोपहर करीब 12 बजे ब्रेस ब्रिज के पास हुआ। चश्मदीदों ने बताया कि मलबे के नीचे से लोगों के चीखने-चिल्लाने और मदद की आवाजें आ रही थीं। बचाव दल के सदस्य निकलने के प्रयास में जुटे हैं।

मृतकों की संख्या और बढ़ने के आसार

हादसे के समय छत की ढलाई हो रही थी

क्रने की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू

बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त गोदाम की छत की ढलाई (कास्टिंग) का काम चल रहा था। इमारत की पहली और दूसरी मंजिल का ढांचा तैयार हो चुका था और ग्राउंड फ्लोर पर निर्माण कार्य जारी था। इस दौरान अचानक पूरी इमारत भरभरा कर गिर गई, जिससे लोहे के भारी बीम और कंक्रीट का बड़ा ढेर लग गया और वहां काम कर रहे मजदूर नीचे दब गए।

क्रेन और मशीनों से हटाया मलबा

राहत और बचाव का काम बहुत तेजी से चल रहा है। कोलकाता पुलिस, आपदा प्रबंधन समूह , नागरिक सुरक्षा और दमकल विभाग की टीमें मौके पर तैनात हैं। सेना के अधिकारी भी बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं। लोहे के बीम और कंक्रीट को काटने के लिए गैस कटर और वर्टिकल ड्रिलिंग मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारी मलबे को हटाने के लिए क्रेन और बड़ी मशीनें लगाई गई हैं।

11 घायलों को ट्रॉमा केयर सेंटर लाया गया

बंगाल की मंत्री अग्निमित्रा पॉल कोलकाता के तारातला में निर्माणाधीन गोदाम शेड के गिरने वाली जगह पर पहुंचीं। यहां खोज और बचाव अभियान चल रहा है। अब तक 11 घायलों को एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर लाया गया है।

घटिया सामग्री और अवैध निर्माण के आरोप

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने आरोप लगाया कि गोदाम के निर्माण में घटिया दर्जे की सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं, स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि इस इलाके में पिछले काफी समय से बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण कार्य चल रहे हैं।

सीएम सुवेंदु ने जताया दुख तेजी से बचाव कार्य के निर्देश

अफसरों को दिए निर्देश

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को तेजी से बचाव कार्य करने के निर्देश दिए। अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस त्रासदी को व्यक्त करने शब्द नहीं हैं। सेना, एनडीआरएफ , एसडीआरएफ , कोलकाता पुलिस और नगर निगम मिलकर युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रहे हैं।

कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट की लापरवाही से गई कई जानें: सीपीआईएम

सीपीआईएम नेता फ़ैयाज़ अहमद खानने कहा कि गोदाम में 50 से 60 मजदूर मौजूद थे, जिनमें से कई मलबे के नीचे दब गए। कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट को इसकी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए। स्थानीय प्रशासन को भी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए क्योंकि निवासियों ने कई बार शिकायत की थी। उन्होंने कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से भी शिकायत की थी कि यहां गैर-कानूनी काम हो रहा है। लेकिन अगर अधिकारी सब कुछ नज़रअंदाज़ करते हैं।

एनसीओआरडी की 10वीं बैठक

शाह आज जारी करेंगे मादक पदार्थ नियंत्रण पर नया विज़न डॉक्यूमेंट

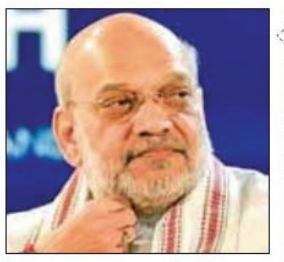

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के विज़न को साकार करने की दिशा में सरकार के प्रयासों को और मजबूत करने का अहम मंच है। बैठक हाइब्रिड मोड में होगी, जिसमें 44 केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ राज्यों और मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

साझा रोडमैप तैयार होगा

शाह ने कहा कि मादक पदार्थ नियंत्रण पर विज़न डॉक्यूमेंट (2026-2029) जारी करेंगे। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों, मादक पदार्थ प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार यह दस्तावेज़ मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए मांग में कमी, आपूर्ति में कमी और नुकसान में कमी के लिए साझा रोडमैप प्रदान करेगा।

सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट तस्करी पर रहेगा फोकस

विज़न डॉक्यूमेंट में नेटवर्क-केंद्रित प्रवर्तन प्रणाली की परिकल्पना की गई है। इसके तहत अगले 3 वर्षों में सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी से निपटने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा नशे के आदी लोगों के लिए उपचार और पुनर्वास सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। दस्तावेज़ में विभिन्न एजेंसियों की जिम्मेदारियां होंगी।

कोयले के आर्थिक मूल्यांकन पर चर्चा पत्र दिया

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 'भारत में कोयले के मौद्रिक परिसंपत्ति खातों के संकलन के लिए कार्यप्रणालीगत दृष्टिकोण' शीर्षक से एक चर्चा पत्र जारी किया है। यह दस्तावेज़ संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण-आर्थिक लेखांकन प्रणाली (एसईईए) केंद्रीय ढांचे के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग ने अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकीय मानक के रूप में मान्यता प्रदान की है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय वर्ष 2018 से एसईईए फ्रेमवर्क का अनुसरण करते हुए 'एन्विस्टैट्स इंडिया' और 'एनर्जी स्टैटिस्टिक्स इंडिया' के माध्यम से कोयले तथा अन्य खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों के भौतिक परिसंपत्ति खातों का संकलन कर रहा है।

शिवसेना टूटने के बाद बोले स्पीकर

उद्धव गुट को किया तलब, बागियों को मिले अलग गुट की मान्यता या नहीं, जानेंगे उनका भी 'पक्ष'

सांसद सावंत और अनिल देसाई रखेंगे अपना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद लोकसभा अध्यक्षओम बिरला कार्रवाई करने वाले हैं। महाराष्ट्र में हुए इस बड़े दलबदल के बाद स्पीकर बिरला ने बुधवार को उद्धव ठाकरे समेत शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेताओं को तलब किया । बिरला के साथ इस बैठक में उद्धव गुट के वरिष्ठ सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई लोकसभा अध्यक्ष के सामने अपनी पार्टी का पक्ष रखेंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में बागी सांसदों को अलग गुट के रूप में मान्यता न देने का स्पीकर बिरला से अनुरोध करेंगे। उद्धव गुट इस पूरे घटनाक्रम को गैर-कानूनी और असंवैधानिक साबित करने की पूरी तैयारी में है। बगावत करने वाले 6 सांसदों के खिलाफ उद्धव की शिवसेना ने स्पीकर को पत्र भी लिखा था।

6 बागी सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के 6लोकसभा सांसदों ने औपचारिक रूप से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इस शिंदे गुट का 'ऑपरेशन टाइगर' कहा जा रहा है। इन बागी सांसदों में संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाघचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापूराव पाटिल अष्टिकार शामिल हैं।

दलबदल कानून पर होगा मंथन

लोकसभा में शिवसेना (यूबीटी) के 9 सांसद थे। अब 6 सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद उद्धव के पास 3 सांसद ही बचे हैं। दलबदल विरोधी कानून, यानी संविधान की दसवीं अनुसूची के नियमों के तहत, यदि किसी भी विधायी दल के दो-तिहाई सदस्य अलग होते हैं, तो उन पर दलबदल का कानून प्रभावी नहीं होता।

नायडू ने की देश की सबसे बड़ी निजी सोने के खदान की शुरुआत

405 करोड़ रु. की लागत से किया गया तैयार सोने के प्रोसेसिंग प्लांट की पहली यूनिट शुरू

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले को जोंनागिरी में किया विकसित

एजेंसी ⏭ कुरनूल

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का जोंनागिरी इलाका अब देश के गोल्ड मैप पर अपनी खास पहचान बनाने जा रही है। बुधवार को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू यहां देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। करीब 405 करोड़ की लागत से तैयार इस परियोजना को जियो मैसूर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और दक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने बनाया है। 144 करोड़ के राजस्व का अनुमान है।

दूसरी यूनिट भी बनेगी : परियोजना के तहत सोने के प्रोसेसिंग प्लांट की पहली यूनिट शुरू की जाएगी, जबकि दूसरी यूनिट की आधारशिला भी रखी जाएगी। खदान और प्रोसेसिंग प्लांट का ट्रायल रन पूरा हो चुका है।

पहले साल 400 किलो सोना निकलने की उम्मीद

सरकार ने 1,500 एकड़ जमीन आवंटित की है। पहले चरण में 600 एकड़ क्षेत्र में खनन कार्य शुरू होगा, जबकि बाद में बाकी इलाके में भी परियोजना का विस्तार किया जाएगा। उम्मीद है कि पहले साल इस खदान से करीब 400 किलोग्राम सोना निकलेगा। अगले साल उत्पादन बढ़कर 900 किलोग्राम तक पहुंच सकता है।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर संयुक्त टीम की बड़ी कार्रवाई

सोनभद्र। जनपद में अवैध एवं बिना मान्यता संचालित अस्पतालों के विरुद्ध जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग, प्रशासन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सघन निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई की गई। हाल के दिनों में प्राप्त शिकायतों में यह तथ्य सामने आया था कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्व में सील किए गए कुछ अस्पतालों का संचालन पुनः नियमों के विपरीत किया जा रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित क्षेत्रों में संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

मध्यस्थता की गोपनीयता बनाए रखने पर सचिव डीएलएसए ने दिया विशेष बल

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2026-27 के क्रियान्वयन के क्रम में आज दिनांक 24 जून 2026 को प्रातः 09:00 बजे एडीआर भवन, जनपद न्यायालय सोनभद्र में सभी मध्यस्थ अधिवक्ताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रीमती निर्मला शर्मा, रमेश राम पाठक, श्रीमती बिन्दू यादव, अमरेश चन्द्र पाण्डेय, मुनीराज शाह, राधेश्याम पाण्डेय, सेराज अख्तर खां, अनिल कुमार सिंह, प्रभात कुमार मिश्रा, श्रीमती चन्द्रावती जायसवाल, आस मोहम्मद अली, मो. फारूख तथा श्रीमती पूनम सिंह सहित अन्य मध्यस्थ अधिवक्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राहुल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने मध्यस्थता प्रक्रिया की गोपनीयता के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता न्यायालयीन कार्यवाही से भिन्न एक पूर्णतः गोपनीय प्रक्रिया है, जिसमें पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रयास किया जाता है। उन्होंने निर्देशित किया कि यदि मध्यस्थता सफल होती है तो केवल समझौते की सूचना न्यायालय को दी जाए तथा यदि असफल होती है तो मात्र एक पंक्ति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

मोहर्रम पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, तीन सुपर जोन और दस सेक्टर बनाए गए

सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र के निर्देशानुसार मोहर्रम पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु जनपद में व्यापक सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। चंद्र दर्शन के अनुसार इस वर्ष मोहर्रम का मुख्य आयोजन दिनांक 26 जून 2026 को होगा। मोहर्रम के अवसर पर निकलने वाले ताजिया एवं अलम जुलूसों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी को देखते हुए जनपद के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से राबर्ट्सगंज, दुद्धी एवं शाहगंज क्षेत्र को कुल तीन सुपर जोन, तीन जोन तथा दस सेक्टरों में विभाजित किया गया है।

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र०- 2026060309000105/अ-21(5)/2025-26
ग्राम: पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता नगर पालिका परिषद, पत्थलगांव को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण प्रदीप कुमार सहगल पिता कश्मीरी सहगल एवं अन्य-01 दोनों जाति खत्री निवासी ग्राम / तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम पत्थलगांव, प०ह०नं० 06 रा०नि० मं० / तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित भूमि ख0न0 314/15 रकबा 0.040 हे० को अंकित सहगल पिता प्रदीप कुमार सहगल जाति खत्री निवासी ग्राम/तहसील-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) के पक्ष में पंजीकृत हक त्याग के माध्यम से अन्तरण किये जाने की अनुमति प्रदाय करने हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यपवर्तित भूमि दान पत्र के माध्यम से अन्तरण किये जाने की अनुमति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक-03.07.2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम - सिरसी प.ह.न. 14
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरकेश रजक पिता दुहनराम रजक जाति धोबी निवासी ग्राम सिरसी प.ह.न 14 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है। कि आवेदक के पत्नी स्व.जमुनी रजक पति हरकेश रजक का मृत्यु दिनांक 14/06/2024 को ग्राम सिरसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पत्नी स्व.जमुनी रजक का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 30/06/26 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/06/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०-/अ-27/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामभरोस यादव आ. स्व. रामबिलास यादव व अन्य, निवासी ग्राम खलिबा, तहसील सोनहत, जिला कोरिया छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम खलिबा स्थित भूमि खसरा न० 36/1, 225, 121, 751/2, 781/2. 983/6 कुल खसरा नंबर 06 कुल रकबा 0.529 हे० भूमि का अनावेदक धनेश्वर प्रसाद यादव आ. स्व. रामबिलास यादव व अन्य, निवासी ग्राम खलिबा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/07/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा । आज दिनांक 18/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

सक्षम गुर्जर पिता देवप्रसाद गुर्जर जाती गुर्जर ग्राम चेन्द्रा पोस्ट-दवना तहसील ओड़गी थाना झिलमिली जिला सूरजपुर (छःग) का मूल निवासी हू जिसमें आधार कार्ड क्रमांक 793062209612 है जिसमें त्रुटि पूर्ण नाम सक्षम Sathayam एवं जन्म तिथि 01/01/2011 अंकित है जबकि सही नाम सक्षम गुर्जर SAKSHAM GURJAR पिता देवप्रसाद गुर्जर है एवं जन्म तिथि 01/01/2011 है व मेरे जन्म प्रमाण पत्र अंकसूची में अंकित है जो सत्य एवं सही है।

कार्यालय जिला सेनानी नगर सेना कोरिया (छ०ग०)
Phone/Fax no:- 07836-299112
E-mail:- dchgbkp@gmail.com
//नीलामी सूचना//

क्रमांक /
/ भण्डार / 2026
कोरिया, दिनांक-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस विभाग के अंतर्गत कोरिया जिले के निष्प्रयोज्य घोषित भण्डार सामग्रियों की नीलामी दिनांक 30.06.2026 दिन मंगलवार को समय 1200 बजे नगर सेना कार्यालय बैकुन्ठपुर जिला कोरिया में की जावेगी। निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों में होमगार्ड जवानों की वर्दी सामग्री जैसे- बूट एंकल जोड़, हंटर शू जोड़ डर्बी शू जोड़ काला, शर्ट खाकी काटन, पेंट खाकी काटन, शर्ट टेरीकाट, पेंट टेरीकाट, कैंप बैरेट, जुराब जोड़, कंबल, दरी, मच्छरदानी, जर्सी, अंगोला, बरसाती, पी.टी.शू., कैप बैच, कंधा बैच, व्हिसील, बेल्ट वेब, किट बॉक्स, थाली, गिलास, होज पाईप इत्यादि सम्पूर्ण सामग्री एक ही लाट में नीलामी की जावेगी इच्छुक खरीददार नीलामी तिथि एक दिन पूर्व कार्यालयीन समय में आकर नीलामी की जाने वाली सामग्री को देख सकेंगे।

1. प्रत्येक खरीददार को बोली लगाने के पूर्व राशि रुपए 1000.00 (एक हजार) मात्र प्रतिभूति के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा, जिस खरीददार की बोली स्वीकार नहीं होगी उन खरीददार की जमा राशि वापस कर दी जावेगी।
2. खरीददार की उच्चतम बोली पर्यवेक्षक अधिकारी द्वारा स्वीकार किये जाने पर सम्पूर्ण राशि जमा कर उसी दि नही सम्पूर्ण सामग्रियों को उठाना होगा।
3. बोली लाट में जहां है जितना है के आधार पर स्वीकार होगी।
4. नीलामी बोली की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति के सम्पूर्ण अधिकार नीलामी कमेटी की होगी।

जिला बनानी नगर सेना कोरिया छ०ग०

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं सुमन कुमार एक्का (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी केंदा एक्का, शहर/गाँव- पाकरगाँव मुडापारा तहसील-पत्थलगॉव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम सुमन कुमार एक्का (पुराना नाम) से बदल कर सुमन एक्का (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं बलेश केरकेट्टा (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री / पत्नी शेमन केरकेट्टा गाँव/शहर सराईटोला, शेखरपुर तहसील पत्थलगाँव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम बलेश केरकेट्टा (पुराना नाम) से बदल कर ब्लेस केरकेट्टा (नया नाम) रख लिया है। मैं शोभन केरकेट्टा (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री देवसाय गाँव / शहर गाँव/सराईटोला, शेखरपुर तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम बलेश केरकेट्टा (पुराना नाम) से बदल कर ब्लेस केरकेट्टा (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं नैतिक पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी जगदीस सिंह राठौर गाँव / शहर पत्थलगॉव तहसील-पत्थगॉव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-नैतिक (पुराना नाम) से बदल कर नैतिक राठौर (नया नाम) रख लिया है। मैं जगदीश सिंह राठौर (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री अशोक सिंह राठौर गाँव / शहर पत्थलगॉव तहसील-पत्थगॉव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम नैतिक (पुराना नाम) से बदल कर नैतिक राठौर (नया नाम) रख लिया है।

जशपुर पुलिस का हेलमेट अभियान बना जनआंदोलन, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। पुलिस ने सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा लिया। 24 जून को जिले के सभी 766 गांवों में एक ही दिन जन चौपाल लगाकर हेलमेट और यातायात नियमों की जागरूकता फैलाई गई। यह विश्व रिकॉर्ड बन गया।

रिकॉर्ड कैसे बना

डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक एक साथ सभी गांवों में जन चौपाल हुई। हर गांव के आखिरी व्यक्ति तक हेलमेट पहनने का संदेश पहुंचाया गया। अभियान की निगरानी के बाद गोल्डन बुक की राज्य प्रमुख सोनल राजेश शर्मा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सर्टिफिकेट और मेडल प्रदान किया।

अभियान के आंकड़े

60 हजार लोगों को दिलाई गई सड़क सुरक्षा की शपथ। 10 हजार नागरिक हेलमेट रैली में शामिल हुए। 3 हजार गणमान्य नागरिक, सीएम, मंत्री, अधिकारी, कर्मचारियों ने वीडियो बनाकर हेलमेट पहनने की अपील की। 5 हजार पुलिस मितान गांव स्तर पर जागरूकता में जुटे।

मकसद

इस अभियान का मकसद मौतें कम करना, दो पहिया चालक-सवार को हेलमेट, चार पहिया चालकों को सीट बेल्ट, नशे में गाड़ी न चलाने और यातायात नियमों की पालना पर जोर दिया गया। हर गांव में बीट सिस्टम से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वे गांव में हेलमेट अनिवार्यता लागू कराएंगे और समस्याएं सुलझाएंगे। अभियान की शुरूआत 18 अप्रैल को कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत की बाइक रैली से हुई थी।

बगीचा शिविर में 368 का प्रमाणीकरण, यूडीआईडी कार्ड बनने से मिलेगी योजनाओं की सुविधा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निदेर्शानुसार दिव्यांगजन प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड शिविर का आयोजन 24 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगीचा में प्रातः 10.00 बजे से किया गया। शिविर में कुल 368 दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड नवनिर्माण-नवीनीकरण की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही पेंशन योजनाओं, सहायक उपकरण प्रदाय एवं दिव्यांग ऋण हेतु पात्र हितग्राहियों से आवेदन भी प्राप्त किए गए।

शिविर में ग्राम रौनी रोड कुरुमकेला बगीचा निवासी 88 वर्षीय श्रीमती सालो देवी को श्रवण यंत्र सहायक उपकरण के रूप में प्रदाय किया गया। दो दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग की जानकारी प्रदान की गई। कुल 50 दिव्यांगजनों ने दिव्यांग पेंशन एवं दिव्यांग ऋण योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। 192 दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड हेतु चिन्हांकन-पंजीयन किया गया। शिविर में डॉ. दीपदेव कश्यप, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जशपुर, धर्मेंद्र कुमार साहू, उप संचालक समाज कल्याण जशपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बगीचा तथा समाज कल्याण विभाग एवं जनपद पंचायत बगीचा के कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर प्रमाणीकरण, पहचान पत्र एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ, जिससे शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से हुआ।

बैंक लिंकेज और मुद्रा लिंकेज मेला में 200 स्व सहायता समूह की महिलाओं ने लिया भाग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जनपद पंचायत मनोरा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत सभागार में विगत दिवस बैंक लिंकेज और मुद्रा लिंकेज मेला का आयोजन किया गया जिसमें विकासखंड मनोरा के सभी बैंकों द्वारा 64 मुद्रा प्रकरण 56.40 लाख एवं बैंक लिंकेज लोन 75 समूह 187.50 लाख की स्वीकृति व वितरण किया गया उक्त मेला में 200 महिलाओं ने भाग लिया तथा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य रंजीत भगत अमीन खान, राकेश तिवारी, रघुनाथ राम, जनपद पंचायत सीईओ मनोरा, रवि बघेल, बिन्सेंट तिर्की समस्त बैंक एवं सभी स्व सहायता समूह के दीदी की उपस्थित में सफल आयोजन किया गया।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक कार्यालय का जिला पंचायत सीईओ ने किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक का स्वतंत्र कार्यालय बुधवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार के मुख्य आतिथ्य में शुभारंभ किया गया। अब तक जिले में नाबार्ड के समस्त कार्य रायगढ़ स्थित जिला विकास प्रबंधक कार्यालय से समन्वित एवं संचालित किए जा रहे थे, क्योंकि जिला रायगढ़ से संबद्ध था। स्वतंत्र कार्यालय प्रारंभ होने से अब किसानों को स्थानीय स्तर पर ही सुविधा मिल सकेगी।

कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक, बैंकर्स, कृषि विज्ञान केंद्र, विभिन्न विभागों के अधिकारी, किसान हितग्राही एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। नाबार्ड छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के वरिष्ठ अधिकारी बृजेन्द्र समांतराय भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। उन्होंने लाभार्थी किसानों से विस्तृत चर्चा की। नवनियुक्त जिला विकास प्रबंधक प्रेम प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थितजनों के समक्ष जिले की संभावनाओं का प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने विशेष रूप से बागवानी एवं अन्य संभावित आर्थिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अब तक नाबार्ड द्वारा 12100 एकड़ क्षेत्र में वाड़ी फलोद्यान एवं अन्य कृषि आधारित गतिविधियों के माध्यम से 13000 से अधिक आदिवासी परिवारों, जिनकी जनसंख्या लगभग 1 लाख है, को लाभान्वित किया गया है। गत 5 वर्षों में सदस्य किसानों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का संचयी लाभ अर्जित किया है, जिसका वार्षिक औसत लगभग 25 करोड़ रुपये है एवं वार्षिक उत्पादन लगभग 9000 मीट्रिक टन है। जीवा परियोजना के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु किसान प्राकृतिक आदानों के नए सूत्र विकसित कर रहे हैं, जिससे प्राकृतिक खेती के पुनरुद्धार की आशा बढ़ी है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने अग्रणी जिला प्रबंधक, नाबार्ड, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक, विभिन्न विभागों एवं कृषि विज्ञान केंद्र की उपस्थिति में नाबार्ड की संभाव्यता आधारित ऋण योजना जारी की। इस ऋण योजना आकलन में नाबार्ड द्वारा कृषि क्षेत्र में 865 करोड़ रुपये के ऋण की संभाव्यता प्रक्षेपित की गई है। जिले में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में कुल ऋण की संभाव्यता 1428 करोड़ रुपये आंकी गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिले में बागवानी विकास हेतु नाबार्ड के व्यापक हस्तक्षेप की सराहना की। उन्होंने नाबार्ड से सहमति व्यक्त की कि आगामी कदम के रूप में प्रसंस्करण क्षमता विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं इसके लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में वाड़ी, जलग्रहण क्षेत्र एवं जीवा परियोजना के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्रणी किसान लाभार्थियों को सम्मानित किया गया।

8 जून को पल्स पोलियो अभियान, जिले में 1205 बूथों पर 1.15 लाख बच्चों को पिलाई जाएंगी दो बूंद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 28 जून 2026 को किया जाएगा। अभियान के तहत जन्म से 5 वर्ष तक के 1 लाख 15 हजार 726 बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तीन दिवसीय अभियान के प्रथम दिवस 28 जून को जिले के सभी पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी, जबकि 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिलेभर में 1,205 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिनों सहित कुल 4,464 कर्मी सेवाएं देंगे, जबकि 224 सुपरवाइजर अभियान की सतत निगरानी करेंगे। बस स्टैंड, ट्रांजिट प्वाइंट, मेला-हाट, ईंट-भट्ठों, निमार्णाधीन स्थलों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में बच्चों तक पहुंचने के लिए विशेष मोबाइल टीमों का भी गठन किया गया है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि जिले में विकासखंडवार लक्षित बच्चों की संख्या इस प्रकार है– पत्थलगांव 26,089, फरसाबहार 14,673, कांसाबेल 10,273, बगीचा 23,446, कुनकुरी 12,984, दुलदुला 6,926, मनोरा 8,285 तथा जशपुर 13,049। इसी प्रकार विकासखंडवार पोलियो बूथों की संख्या क्रमशः पत्थलगांव में 192, फरसाबहार में 147, कांसाबेल में 84, बगीचा में 219, कुनकुरी में 152, दुलदुला में 92, मनोरा में 146 तथा जशपुर में 173 निर्धारित की गई है। कलेक्टर रोहित व्यास ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए पंचायत, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, परिवहन तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि 28 जून को अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाकर पोलियो की दो बूंद पिलाएं और अपने बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य में सहभागी बनें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 27 मार्च 2014 को भारत को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पोलियो मुक्त देश का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया था। देश पिछले 14 वर्षों से अधिक समय से पोलियो मुक्त है, लेकिन विश्व के कुछ देशों में अभी भी पोलियो वायरस का संक्रमण मौजूद है।

बागबहार-कोतबा मार्ग का चौड़ीकरण जारी, 39.76 करोड़ लागत से बन रही मजबूत सड़क

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले के बागबहार-कोतबा मार्ग को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन के लिए चौड़ा और मजबूत बनाने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना के लिए राज्य शासन द्वारा 39.76 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार जारी है और विभाग द्वारा इसे शीघ्र पूर्ण कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग पत्थलगांव ने बताया कि

बागबहार-कोतबा मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के लिए 30 सितम्बर 2025 को ठेकेदार मेसर्स अभय कंस्ट्रक्शन, जशपुर को कार्यादेश जारी किया गया था। निर्माण कार्य पूर्ण करने की समय-सीमा अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। वर्तमान में निर्माण एजेंसी द्वारा लगभग 10 किलोमीटर लंबाई में सबग्रेड स्तर तक चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वहीं बागबहार की ओर से जीएसबी (ग्रेन्युलर सब-बेस) कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसमें लगभग एक किलोमीटर हिस्से में जीएसबी कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा मार्ग पर 6 पुलियों का निर्माण भी पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष कार्य निरंतर प्रगति पर है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्माण अवधि के दौरान आवागमन को यथासंभव सुगम बनाए रखने के लिए मार्ग के गड्ढों की अस्थायी मरम्मत की जा रही है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की पहल से बोड़ालाता में फिर आई रौशनी, ग्रामीणों ने जताया आभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आम नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड कुनकुरी की ग्राम पंचायत दाराखरिका के आश्रित ग्राम बोड़ालाता में लंबे समय से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलकर विद्युत आपूर्ति पुनः सुचारू कर दी गई है। इससे बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। ग्राम पंचायत दाराखरिका के सरपंच द्वारा मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया था कि ग्राम बोड़ालाता में स्थापित ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण पूरे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली नहीं होने से ग्रामीणों को दैनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने बताया

कि यह क्षेत्र हाथी प्रभावित है तथा बरसात का मौसम प्रारंभ होने वाला है। ऐसे में अंधेरे के कारण जंगली हाथियों की गतिविधियों और विषैले जीव-जंतुओं से खतरा बढ़ने की आशंका थी। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए उन्होंने समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश पर विद्युत विभाग ने त्वरित पहल करते हुए खराब ट्रांसफार्मर को बदल दिया, जिससे ग्राम बोड़ालाता में बिजली आपूर्ति पुनः बहाल हो गई है। विद्युत व्यवस्था सुचारू होने पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया है। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के माध्यम से आमजन की समस्याओं के निराकरण की प्रभावी व्यवस्था बनाई गई है।

विशेष रूप से बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित शिकायतों पर प्राथमिकता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे लोगों को त्वरित राहत मिल रही है।

सीएम हेल्पलाइन पर एक कॉल से दिव्यांग चांदनी को मिली पेंशन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। हेल्पलाइन के जरिए प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। इसी क्रम में तहसील पत्थलगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत घरजियाबथान निवासी योगेश यादव ने अपनी 65 प्रतिशत दिव्यांग पुत्री चांदनी यादव को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत दिव्यांग पेंशन का लाभ नहीं मिलने संबंधी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही जनपद पंचायत पत्थलगांव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की गई।

पंचायत सचिव के माध्यम से आवश्यक आवेदन एवं संबंधित दस्तावेज प्राप्त कर प्रकरण की जांच की गई। जांच के दौरान चांदनी यादव को दिव्यांग पेंशन योजना के लिए पात्र पाया गया। पात्रता की पुष्टि होने के पश्चात उनकी दिव्यांग पेंशन स्वीकृत करने की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इसके साथ ही अब उन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत नियमित रूप से पेंशन का लाभ प्राप्त होगा। शिकायत का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर कर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्रकरण का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। योगेश यादव ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए अत्यंत उपयोगी और भरोसेमंद साबित हो रही है। उन्होंने अपनी पुत्री को समय पर न्याय और योजना का लाभ दिलाने के लिए

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

24 घंटे संचालित है मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से प्रदेश के नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, सुझाव दे सकते हैं तथा शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के संबंध में फीडबैक भी साझा कर सकते हैं। हेल्पलाइन को व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा गया है, जिससे नागरिक मोबाइल के माध्यम से आसानी से अपनी बात सरकार तक पहुंचा सकते हैं। इस व्यवस्था से राज्य शासन के 42 विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारी जुड़े हुए हैं तथा 1195 श्रेणियों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक शिकायत को एक यूनिक आईडी प्रदान की जाती है, जिससे आवेदक अपनी शिकायत की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक कर सकता है। शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट नहीं होता है, तो शिकायत स्वतः उच्च अधिकारियों के पास पुनः परीक्षण एवं जांच के लिए अग्रेषित कर दी जाती है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रणाली 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन संचालित रहती है। इसके संचालन के लिए तीन शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। सचिव स्तर के अधिकारी डैशबोर्ड के माध्यम से इसकी नियमित निगरानी करते हैं, वहीं मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा भी इसकी सतत मॉनिटरिंग की जाती है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की यह पहल शासन की संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रमाण है, जो जरूरतमंद नागरिकों को समय पर राहत और योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

डिस्ट्रिक्ट जेल विजिटर्स बोर्ड ने किया जिला जेल का सघन निरीक्षण

सुनी बंदियों की समस्याएं, स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन एवं नियमित स्वास्थ्य सुविधा के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने तथा बंदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट जेल विजिटर्स बोर्ड ने आज यहां के जिला जेल का सघन एवं व्यापक निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में बंद कैदियों की वर्तमान स्थिति, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से प्रदान की जा रही सेवाओं की समीक्षा करना था।निरीक्षण के दौरान बोर्ड के सदस्यों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का मुआयना किया, जिसमें कैदियों के बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केन्द्र एवं अन्य सामान्य उपयोग के क्षेत्रों का विस्तृत अवलोकन शामिल रहा। अधिकारियों ने कैदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना तथा उनकी दैनिक दिनचर्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण दल ने जेल में स्वच्छता की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता एवं पोषण मानकों, दवाओं तथा चिकित्सकों की उपलब्धता सहित चिकित्सा सुविधाओं, कैदियों के लिए शिक्षा कार्यक्रमों एवं खेल-कूद जैसी मूलभूत सुविधाओं का गहनता से मूल्यांकन किया। इसके साथ ही जेल लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली की भी जाँच की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैदियों को कानूनी सलाह सहजता से उपलब्ध हो रही है। जेल निरीक्षण के उपरांत जिला न्यायालय में आयोजित अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी की समीक्षा बैठक में समस्त जिला अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए कि कैदियों को प्रदान की जाने वाली समस्त मौलिक सुविधाएं, जिनमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन एवं नियमित चिकित्सा जाँच सम्मिलित है, बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने जिला न्यायालय हेतु आबंटित भूमि, नवीन भवन के नक्शे तथा न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए निर्माणाधीन भवनों की प्रगति पर चर्चा करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सभी बैरकों में बंदियों से सीधे संवाद करते हुए शिक्षा पर विशेष जोर दिया तथा यह जानकारी ली कि जेल में आने से किसी बंदी की शिक्षा अधूरी तो नहीं रह गई अथवा कोई आगे अध्ययन करना चाहता है। निरीक्षण के दौरान जेल में पेयजल आपूर्ति की समस्या सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र पानी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम को निर्देशित किया कि जेल में सप्ताह में दो दिवस मनोचिकित्सक की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल ने बंदियों से बातचीत करते हुए उन्हें जमानत, अधिवक्ता परिवर्तन तथा अपने प्रकरण की स्थिति जानने से संबंधित अधिकारों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बंदियों को प्रेरित किया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे जेल अधीक्षक अथवा प्राधिकरण की ओर से निरीक्षण हेतु आने वाले लीगल एड अधिवक्ताओं को बिना किसी भय के अपनी बात बताएं। निरीक्षण में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री पायल टोपनो, जेल अधीक्षक, जेल में नियुक्त चिकित्सक डॉ. एल.के. भोई, कार्यपालन अभियंता पीडब्ल्यूडी सहित जेल के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नागरिकों को सहज एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराने कलेक्ट्रेट में हेल्प डेस्क स्थापित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी एवं जनसुलभ बनाने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश पर यहां संयुक्त जिला कार्यालय में हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिला कार्यालय में विभिन्न कार्यों एवं सेवाओं के लिए पहुंचने वाले आम नागरिकों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराना है।स्थापित हेल्प डेस्क के माध्यम से आगंतुकों को कार्यालयीन समय में संबंधित विभागों, कार्यालयीन प्रक्रियाओं तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े तथा उनके कार्य सुगमता एवं समयबद्ध रूप से संपादित हो सकें। यह व्यवस्था नागरिकों एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी

सहायक सिद्ध होगी।इसके साथ ही कार्यालयीन कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कर्मचारियों के लिए पृथक हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी की गई है। इस व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी आवश्यक प्रशासनिक मार्गदर्शन एवं समन्वय प्राप्त कर अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक दक्षता के साथ कर सकेंगे, जिससे संपूर्ण कार्यालयीन व्यवस्था और अधिक सशक्त एवं जवाबदेह बन सकेगी।

दोहरे पिंजरे वाले ट्रैक्टरों के सड़कों में उपयोग पर रोक

उच्च न्यायालय के आदेश पर परिवहन विभाग ने जारी किए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा पारित आदेश के तारतम्य में परिवहन विभाग द्वारा बिना रबर टायर के आयरन केजविल ट्रैक्टरों के सड़कों पर

उपयोग को तत्काल प्रतिबंधित करने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं।जारी निर्देश के अनुसार ट्रैक्टर वाहन मुख्य रूप से खेतों में उपयोग के लिए बनाये गए हैं, किंतु कुछ क्षेत्रों में इनके नुकीले दोहरे पिंजरों वाले पहियों को हटाए बिना ही इन्हें सड़कों, सीमेंट की सड़कों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलाया जा रहा है, जिससे न केवल सड़क की सतह क्षतिग्रस्त हो रही है, बल्कि दुर्घटना की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे वाहनों का सड़कों पर संचालन मोटर वाहन अधिनियम एवं नियमों के विरुद्ध है तथा यह उच्च न्यायालय में प्रस्तुत शपथ-पत्र का भी उल्लंघन है। परिवहन विभाग द्वारा समस्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को इस प्रकार के ट्रैक्टरों के उपयोग को तत्काल प्रतिबंधित करने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही जिला प्रशासन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाकर ऐसे वाहनों को मोटरयान नियमों से अवगत कराने, नियम उल्लंघन पर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

रामानुजनगर में हुआ श्रमिक जन संवाद कार्यक्रम, श्रमिकों को दी गई योजनाओं की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पंजीयन एवं संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पंजीकृत श्रमिकों को अधिक से अधिक लाभ प्रदान करने तथा श्रमिकों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से गुरुवार को रामानुजनगर सामुदायिक भवन में श्रमिक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार दूरस्थ अंचल तक के जनजातीय एवं विभिन्न प्रवर्ग के श्रमिकों तक योजनाओं के क्रियान्वयन के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 120 से अधिक श्रमिक उपस्थित रहे। यह आयोजन पूर्व मण्डल अध्यक्ष जय प्रकाश उपाध्याय, जनपद सदस्य सुमित साहू एवं मनरेगा पी.ओ. श्री पैकरा के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंच के माध्यम से श्रमिकों से जन संवाद करते हुए

श्रम पंजीयन कार्ड का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 4.80 लाख तथा मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 01 लाख रुपये की राशि श्रमिकों को सांकेतिक रूप से डेमो चेक प्रदान कर लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं उनकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, ताकि पात्र हितग्राही इन योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त कर सकें।।कार्यक्रम में श्रम पदाधिकारी एलेन मिंज, श्रम निरीक्षक, श्रम उप निरीक्षक, कल्याण अधिकारी एवं कल्याण निरीक्षक सहित अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषि, पशु, मत्स्य एवं उद्यानिकी विभाग की समीक्षा कर कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने बुधवार को कृषि एवं संबद्ध विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी, डीआरसीएस, सीसीबी नोडल अधिकारी तथा सहकारी समितियों के प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने पशुपालक किसानों को पशुओं के चारे एवं फीडिंग के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने, उद्यानिकी फसलों तथा मत्स्य पालन के लिए भी केसीसी के तहत ऋण वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने समितिवार केसीसी ऋण वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का कारण जाना और बिना उचित कारण आवेदन लंबित रखने पर संबंधितों के विरुद्ध आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि उद्यानिकी फसल लेने वाले किसान यदि पूर्व में ली गई फसल के स्थान पर दूसरी फसल के लिए ऋण आवेदन करते हैं तो उन्हें केसीसी ऋण का लाभ प्रदान किया जाए।

धान खरीदी के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन को आवश्यक बताते हुए कलेक्टर ने पात्र किसानों का शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान वर्तमान खरीफ सीजन को देखते हुए समितिवार बीज भंडारण एवं खाद-बीज वितरण की भी जानकारी ली गई। मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रतापपुर के खोरमा में निर्माणाधीन मत्स्य प्रक्षेत्र की प्रगति की जानकारी ली गई। जिले में झींगा एवं सजावटी

मछली उत्पादन, अमृत सरोवरों तथा मनरेगा डबरियों में मत्स्य उत्पादन की संभावनाओं, सक्रिय एवं निष्क्रिय तालाबों की स्थिति तथा जिले की कुल मत्स्य उत्पादन क्षमता पर विस्तृत चर्चा की गई।कलेक्टर ने मत्स्य पालन को पशुपालन एवं उद्यानिकी गतिविधियों के साथ जोड़कर एकीकृत आजीविका मॉडल विकसित करने की संभावनाएं तलाशने तथा कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने मछली पालन के साथ बतख पालन को बढ़ावा देने, जिले में मत्स्य उत्पादन क्षमता के विकास तथा केज कल्चर के विस्तार के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान करने के निर्देश भी दिए। पशुधन विकास विभाग की समीक्षा के दौरान पशु स्वास्थ्य सेवाओं, पशु चिकित्सालयों, कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों, उपकेंद्रों, पशु औषधालयों, नस्ल सुधार कार्यक्रमों तथा टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली गई। इसके साथ ही पशुओं के लिए हरे चारे के उत्पादन, उन्नत नस्ल की बकरी पालन, पॉल्ट्री, सूकर, बतख पालन एवं डेयरी उत्पादन की प्रगति की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा में उद्यानिकी फसलों, शहद, सब्जी एवं मसाला फसलों के उत्पादन पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने मत्स्य तालाबों की मेड़ों पर पौधारोपण को बढ़ावा देने, स्व-सहायता समूहों को फूल उत्पादन से जोड़ने तथा अदरक, हल्दी, धनिया और मिर्च जैसी मसाला फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में समन्वित प्रयासों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और जिले की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए सभी विभागों को प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर विभिन्न वार्डों में हुई श्रद्धांजलि सभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाते हुए जिला भाजपा कार्यालय अटल कुंज सहित वार्ड क्र 3, 4, 8, 13, 15, 16, 17 एवं 18 के विभिन्न बूथों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मंडल सहप्रभारी थलेश्वर साहू एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष तथा किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल अज्जू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा ने की। इस अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था तथा 23 जून 1953 को जम्मू-कश्मीर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हुआ। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रख्यात शिक्षाविद, बैरिस्टर एवं राष्ट्रवादी राजनेता थे। वे मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। वर्ष 1926 में इंग्लैंड से बैरिस्टर की उपाधि

प्राप्त कर भारत लौटे तथा बाद में बंगाल सरकार में वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया। वक्ताओं ने बताया कि स्वतंत्र भारत की प्रथम केंद्रीय मंत्रिपरिषद में वे उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री रहे, किंतु नेहरू-लियाकत समझौते के विरोध में वर्ष 1950 में उन्होंने मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। 21 अक्टूबर 1951 को उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष करते हुए अनुच्छेद 370 का प्रखर विरोध किया तथा जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए संघर्ष किया। वर्ष 1953 में बिना परमिट कश्मीर प्रवेश करने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया और 23 जून 1953 को श्रीनगर में हिरासत के दौरान उनका निधन हो गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों एवं आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर डॉ. एच.एन. चतुर्वेदी महामंत्री राजू देवांगन नीरज जिंदिया बंटी, संदीप जायसवाल प्यारेलाल साहू भोला साहू लक्ष्मण कसेरा पंकज चौबे महेंद्र साहू नीरज गुप्ता, शिवशंकर साहू, दिलीप साहू, तुषार ठाकुर गौरीशंकर साहू, श्रीमती देवन्ती साहू श्रीमती ज्योति देवांगन, विक्की सोनवानी पारस सिंह सहित सभी बूथ अध्यक्ष एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

CHHATTISGARH INSTITUTE OF TECHNOLOGY, JAGDALPUR (C.G.)

छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान, जगदलपुर (छ०ग०)

PHONE NO. 07782229439 FAX 229401 E-mail: principal@gecjdp.ac.in

No./CGITJDP/Est./2026/1406 Jagdalpur Date20/06/2026

Tender Date Extension Notice

Tender 1/CGITJDP/HK/2026

With reference to Tender No. 1/CGITJDP/HK/2026 for providing Housekeeping Services at Chhattisgarh Institute of Technology, Jagdalpur, it is hereby informed that the last date for submission of tender documents was 15/06/2026.

Due to receipt of an inadequate number of bids against the tender, and with a view to ensuring fair competition and wider participation, the competent authority has approved extension of the tender submission date up to 10/07/2026.

Accordingly, the revised schedule shall be as follows:

Particulars	Revised Date & Time
Last Date for Submission of Tender	10/07/2026 up to 04:00 PM
Opening of Technical Bid	13/07/2026 at 11:30 AM

All other terms and conditions of the tender document shall remain unchanged. Interested firms agencies may submit their bids as per the tender conditions within the extended period

Principal
Chhattisgarh Institute of Technology
Jagdalpur (C.G.)

G-262701655/1

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सरगुजा जिले की सभी 439 ग्राम पंचायतों में आयोजित हुई विशेष ग्राम सभा

कलेक्टर, एसएसपी एवं जिला पंचायत सीईओ पहुंचे ग्राम फुनगी,ग्राम सभा में हुए शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार सरगुजा जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिले की 338 ग्राम पंचायतों में 24 जून को तथा शेष 101 ग्राम पंचायतों में 25 जून को ग्राम सभा आयोजित की गई। इस प्रकार जिले की कुल 439 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं संपन्न हुईं। ग्राम सभाओं में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा, हितग्राहियों की सूची का अनुमोदन, पंचायतों के विकास कार्यों पर चर्चा तथा ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

विशेष ग्राम सभाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण के आधार पर तैयार हितग्राहियों की सूची का सत्यापन एवं अनुमोदन किया गया। पात्र, अपात्र एवं प्राथमिकता सूची का निर्धारण राज्य शासन द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप ग्राम सभा के समक्ष किया गया। पारदर्शिता एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हितग्राहियों की प्रतीक्षा सूची का सार्वजनिक वाचन भी किया गया। ग्राम सभाओं में ग्रामीणों को विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई। आगामी एक जुलाई से प्रारंभ होने जा रही इस महत्वाकांक्षी योजना के उद्देश्यों, पात्रता एवं लाभों से ग्रामीणों को अवगत कराते हुए अधिकाधिक लोगों को योजना से जोड़ने हेतु प्रचार-प्रसार किया गया।

इसी क्रम में कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, उदयपुर विकासखंड के ग्राम फुनगी पहुंचे और वहां आयोजित विशेष ग्राम सभा में शामिल हुए। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा शासन की योजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। ग्राम सभा के दौरान जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। ग्रामीणों ने अपनी आवश्यकताओं एवं मांगों से अधिकारियों को अवगत कराया। ग्राम फुनगी के ग्रामीणों द्वारा किचन शेड निर्माण की मांग रखे जाने पर कलेक्टर ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए किचन शेड की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से तैयार सूची एवं विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जी-राम) योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया। ग्राम सभा में आवास प्लस 2.0 के अंतर्गत तैयार की गई सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची का सार्वजनिक वाचन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित सूची को अंतिम रूप देकर आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा, जिससे पात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से मिल सके।

अभियान का प्रमुख उद्देश्य सेवा वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाना है। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत कर ग्राम सभा से अनुमोदन प्राप्त किया गया।

ग्राम सभा लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाई-कलेक्टर

कलेक्टर अजीत वसंत ने ग्राम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, ग्राम पंचायत के विकास, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग की जिम्मेदारी पंचायत एवं ग्रामवासियों की सामूहिक भागीदारी से ही पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। पंचायत के विकास से जुड़े निर्णयों में प्रत्येक ग्रामीण की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा पंचायत विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग करने की अपील की।

साइबर ठगों से रहें सतर्क, यातायात नियमों का करें पालन-एसएसपी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने ग्रामीणों को साइबर अपराधों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने कहा वर्तमान समय में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए ग्रामीणों को सतर्क एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने किसी भी अनजान व्यक्ति को बैंक खाते, आधार कार्ड, पैन कार्ड अथवा अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों की जानकारी नहीं देने और किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी साझा नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने साइबर ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए संदिग्ध कॉल अथवा संदेश प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। एसएसपी ने सड़क सुरक्षा के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने, बाइक पर तीन सवारी नहीं बैठाने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने तथा वाहन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने का आग्रह किया।

कलेक्टर ने बच्चों से पूछा मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति का नाम, मिला सही जवाब

कलेक्टर अजीत वसंत ने विकासखंड उदयपुर के ग्राम फुनगी के शासकीय प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की नियमितता, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, पेयजल व्यवस्था, स्कूल ड्रेस तथा पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर सीधे कक्षा में पहुंचे और बच्चों से आत्मीय संवाद करके राज्य के मुख्यमंत्री, देश के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति का नाम पूछा। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सही बताया। बच्चों की जागरूकता एवं उत्तर देने की क्षमता से संतुष्ट होकर कलेक्टर ने उनकी सराहना की और उन्हें नियमित अध्ययन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ बच्चों को सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनाओं की जानकारी भी नियमित रूप से दी जाए, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने शिक्षकों को नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित रहकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने फुनगी में निर्माणधीन आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बिजली,पंखा पेंटिंग कार्य एवं अन्य निर्माण कार्यों की जानकारी गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने कहा। कलेक्टर ने इंटर वायरिंग के बाद ही सीसी लगाने कहा।

ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक रहने की शपथ भी दिलाई गई।

रामगढ़ महोत्सव में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि बतौर होंगे शामिल

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने लिया तैयारियों का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल आषाढ़स्य प्रथम दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले रामगढ़ महोत्सव 2026 की तैयारियों का जायजा लेने विकासखंड उदयपुर स्थित राम वनगमन पर्यटन परिपथ एवं विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला रामगढ़ का स्थल निरीक्षण किये। उन्होंने आयोजन स्थल में महोत्सव से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। रामगढ़ महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है। आयोजन के माध्यम से रामगढ़ की ऐतिहासिक धरोहरों को व्यापक पहचान मिलेगी। गौरतलब है कि रामगढ़ महोत्सव 2026 का आयोजन आगामी 29 एवं 30 जून को दो दिवसीय आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर अजीत वसंत ने रामगढ़ महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए सभी अधिकारियों को समय पर सौंपे गए विभिन्न दायित्व को पूर्ण करने के निर्देश दिए है। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिपं सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता वीरेंद्र चौधरी, एसडीएम रामराज सिंह, उदयपुर जनपद पंचायत सीईओ वेद प्रकाश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम में परिचय, लंदन से भेजे गये गिफ्ट के चक्कर में लगी 1.53 लाख की चपत

जालसाज ने महिला को बातों में उलझाकर बनाया ठगी का शिकार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। व्यवसाय में लाभ और लंदन से गिफ्ट भेजने का झांसा देकर जालसाज ने एक महिला को एक लाख 53 हजार की चपत लगा दी।

जानकारी के मुताबिक, नमनाकला निवासी एक महिला का बीते 15 जून को इंस्टाग्राम के जरिये एक युवक से बातचीत हुआ, जो अपना नाम रवि कुमार अग्रवाल बताया। इसने लंदन में रहकर व्यवसाय करने की जानकारी दी। बातचीत के क्रम में वह अपना वाट्सअप नम्बर साझा किया, इसमें दोनों की बातचीत हुई। दो दिन के अंतराल में रवि ने व्यवसाय में लाभ होने का झांसा देकर लंदन से कीमती गिफ्ट भेजने की बात महिला से कहा, जिस पर वह इन्कार कर दी। गिफ्ट भेजने के लिये बार-बार घर का पता बताने की जिद्द करने पर वह घर का पता बता दी। अगले दिन 18 जून की सुबह एक फोन कॉल आया, जिसमें पार्सल आने और काफी कीमती सामान सोना, डायमंड होने की जानकारी देते हुये कस्टम चार्ज भुगतान करने कहा गया। इसकी जानकारी वह रवि अग्रवाल को कॉल करके दी, जिस पर उसने लंदन से पौंड भेजने की बात कहते हुये कस्टम चार्ज दे देने के लिये कहा। इसके बाद वह धमखील लोखंडे के नाम पर 27 हजार रुपये नकद जमा कर दी। रवि ने पुन: कॉल करके पौंड में पैसा भेजने और उसे भारत में एक्सचेंज करा लेने के लिये कहा, और बताया कि एक्सचेंज का 45 हजार रुपये टैक्स लगेगा। जब वह लंदन के मुद्रा को एक्सचेंज कराने से इन्कार की, और परेशानी में नहीं डालने कहा, तो वह सॉरी कहते हुये स्वयं का दस्तावेज जमा होने और करियर पर प्रभाव पड़ने की बात कहते हुये उसे अपने झांसे में ले लिया, और 27 हजार गवां चुकी महिला पुन: बैंक जाकर 45 हजार रुपये एवं च्वाइस सेंटर में 81 हजार रुपये नकद जमा कर दी। इसके बाद रवि अग्रवाल ने लंदन से दिल्ली आने और पार्सल लेकर आने का झांसा दिया, और व्हाट्सअप में एक टिकट भेजा। 19 जून को रवि अग्रवाल ने पुन: महिला को फोन किया और दिल्ली आने की बात कहते हुये पार्सल शाम तक लेकर आने और भारत कई दिन बाद आने की बात कहते हुये पुन: 63 हजार रुपये ऐंठने का प्रयास किया। ठगी का एहसास होने पर महिला ने और रुपये भेजने से इन्कार कर दिया, इसके बाद दोनों का संपर्क विच्छेद हो गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने जालसाज के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, शिक्षा से संवरता है भविष्य: राजेश अग्रवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, गुरूवार को लखनपुर में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पुष्प एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें अध्ययन सामग्री प्रदान कर नए शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का स्वागत किया।

अपने संबोधन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों के साथ अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियां साझा करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, अनुशासन, शिक्षकों का सम्मान और माता-पिता का आशीर्वाद ही जीवन में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत मार्ग है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए पूरी निष्ठा एवं लगन से प्रयास करना चाहिए। आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, प्रशासक और जनप्रतिनिधि बनकर देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, ज्ञान और संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यही तीनों किसी भी विद्यार्थी की सफलता का मजबूत आधार बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने, अपने लक्ष्य स्पष्ट रखने तथा निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का भी विकास करें, अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में निरंतर सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण पाठशाला है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों को नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों से पूरे मनोयोग से अध्ययन कर अपने विद्यालय, परिवार, क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करने कहा। कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, शिक्षक, अभिभावक, बड़ी संख्या में विद्यार्थी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लखनपुर में मूंगफली फसल प्रदर्शन हेतु कृषकों को बीज वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कृषि विभाग लखनपुर द्वारा गुरूवार को एसएडीओ कार्यालय लखनपुर में नेशनल मिशन न ईडिबल ऑइल-आइलसीड मूंगफली फसल प्रदर्शन कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम तिरकेला, अरगोती, पटकुरा, जिवलिया एवं डोढ़ाधाकेसरा के चयनित कृषकों को 300 हेक्टेयर मूंगफली बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में मूंगफली की उन्नत खेती को बढ़ावा देना तथा तिलहन के क्षेत्र में कृषकों को आत्मनिर्भर बनाना व किसानों को नवीन कृषि तकनीकों से जोड़ना तथा फसल उत्पादकता में वृद्धि करना है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा किसानों को उन्नत बीज, वैज्ञानिक खेती पद्धति, समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं कीट-रोग नियंत्रण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग के उप संचालक कृषि पीताम्बर सिंह दीवान, जिला विकास समन्वयक विजय अग्रवाल, सहित क्षेत्र के कृषक उपस्थित रहे।

बाइक से अनियंत्रित होकर गिरे युवक की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोटरसायकल से अनियंत्रित होकर गिरे युवक तबियत बिगड़ी, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, कोरिया जिला के पटना थाना अंतर्गत ग्राम मुरमा निवासी सोना सिंह पिता नर्मदा सिंह, 22 जून को पड़ोस में रहने वाले सुरेन्द्र सिंह के ससुर को ग्राम कुरूमडुगा पहुंचाने के लिये मोटरसायकल से गया था। वापस आते समय ग्राम उरूमडुगा में अनियंत्रित होकर गिर गया। इसके बाद मोटरसायकल को वहीं छोड़कर रात करीब 8 बजे पैदल ही घर वापस आ गया था। घर आने के बाद वह अपनी पत्नि प्रमिला को इसकी जानकारी दिया। स्वजन निजी डॉक्टर को बुलाकर उसे घर में ही दिखाये थे। 23 जून को युवक ने पेट में दर्द और जलन होने की जानकारी दी, इसके बाद उसे जिला अस्पताल बैकुंठपुर ले गये। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां 25 जून को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा।

सरगुजा का रामगढ़ ऐतिहासिक-पौराणिक संस्कृति की पहचान

सीताबेंगरा और जोगीमारा गुफाएं: इतिहास, आस्था और कला का अद्भुत संगम

छ.ग.फ्रंटलाइन, अंबिकापुर। सरगुजा का नाम आते ही घने वन, प्राकृतिक सौंदर्य और आदिवासी संस्कृति की छवि उभरती है, लेकिन इस अंचल की पहचान केवल प्रकृति तक सीमित नहीं है। सरगुजा की धरती अपने भीतर हजारों वर्षों के इतिहास, पौराणिक मान्यताओं और सांस्कृतिक धरोहरों को संजोए हुए है। जिले के उदयपुर विकासखंड स्थित रामगढ़ पर्वत पर अवस्थित सीताबेंगरा और जोगीमारा गुफाएं इसी गौरवशाली विरासत का महत्वपूर्ण अध्याय हैं। ये स्थल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों में विशेष स्थान रखते हैं। रामगढ़ पर्वत की पश्चिमी ढलान पर स्थित सीताबेंगरा और जोगीमारा गुफाएं अपनी ऐतिहासिक, पुरातात्विक और पौराणिक महत्ता के कारण वर्षों से शोधकर्ताओं, इतिहासकारों और पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। यहां की गुफाएं भारत की प्राचीन कला, स्थापत्य और सांस्कृतिक विकास की कहानी बयां करती हैं।

रामायण काल से जुड़ी हैं मान्यताएं-रामगढ़ क्षेत्र को लेकर स्थानीय जनश्रुतियां और पौराणिक मान्यताएं अत्यंत प्रचलित हैं। माना जाता है कि भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने अपने वनवास काल का कुछ समय इस क्षेत्र में व्यतीत किया था। कई विद्वानों ने रामगढ़ और उसके आसपास के जंगलों को रामायण में वर्णित चित्रकूट क्षेत्र से जोड़कर देखा है। ऐसी मान्यता है कि माता सीता ने वनवास के दौरान जिस गुफा में निवास किया था, वही आगे चलकर सीताबेंगरा के नाम से प्रसिद्ध हुई। यही कारण है कि यह स्थल धार्मिक आस्था और श्रद्धा का केंद्र भी माना जाता है।

भारत के प्राचीनतम रंगमंच-सीताबेंगरा गुफा अपनी अनूठी संरचना के कारण विशेष महत्व रखती है। गुफा के भीतर बैठने की व्यवस्था, मंचन जैसी संरचना और शिलालेखों की व्याख्या के आधार पर कई विद्वानों ने इसे भारत के सबसे प्राचीन रंगमंचों में से एक माना है। गुफा लगभग 45 फीट गहरी है तथा इसके भीतर पत्थरों की बनी बैठने की व्यवस्था दिखाई देती है। माना जाता है कि यहां नाट्य प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक आयोजन होते रहे होंगे। हालांकि इस विषय पर विद्वानों में मतभेद भी हैं, फिर भी भारतीय रंगमंच के इतिहास में इस गुफा का विशेष महत्व स्वीकार किया जाता है।

भारत की प्राचीन चित्रकला का साक्षी जोगीमारा-सीताबेंगरा गुफा के समीप स्थित जोगीमारा गुफा भारतीय कला इतिहास की अमूल्य धरोहर है। इसे भारत की सबसे प्राचीन चित्रित गुफाओं में शामिल किया जाता है। यहां प्राप्त भित्तिचित्र तीसरी-दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के माने जाते हैं। यद्यपि समय के साथ अधिकांश चित्र क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, फिर भी उनके अवशेष प्राचीन भारतीय चित्रकला की उत्कृष्टता का परिचय देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार गुफा की छत पर बनाए गए चित्रों में मानव आकृतियां, पशु-पक्षी, नृत्य-संगीत और सामाजिक जीवन से जुड़े दृश्य चित्रित थे। इन चित्रों में लाल, काले और पीले रंगों का उपयोग किया गया था। यह भारतीय चित्रकला की शुरुआती परंपराओं का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जाता है।

प्राचीन शिलालेखों का खजाना-जोगीमारा और सीताबेंगरा गुफाओं में प्राप्त शिलालेख भी इतिहास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन शिलालेखों के आधार पर विद्वानों ने यहां के सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन का अध्ययन किया है। शिलालेखों से यह संकेत मिलता है कि यह क्षेत्र प्राचीन काल में कला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा होगा।

हाथीपोल सुरंग की अनोखी संरचना-रामगढ़ की एक अन्य विशेष पहचान हाथीपोल नामक प्राकृतिक सुरंग है। लगभग 180 फीट लंबी और 15 से 20 फीट ऊंची यह सुरंग अपनी प्राकृतिक बनावट के कारण आकर्षण का केंद्र है। माना जाता है कि वर्षों तक जल प्रवाह के कारण इसका वर्तमान स्वरूप विकसित हुआ। सुरंग के दूसरे छोर पर सीताबेंगरा और जोगीमारा गुफाएं स्थित हैं, जिससे यह पूरा क्षेत्र और अधिक रहस्यमयी एवं आकर्षक बन जाता है।

प्राचीन मंदिर और मूर्तिकला की विरासत-रामगढ़ क्षेत्र में अनेक प्राचीन मंदिरों और मूर्तियों के अवशेष भी पाए जाते हैं। यहां भगवान विष्णु, श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान और देवी की प्राचीन प्रतिमाएं आज भी विद्यमान हैं। इन मूर्तियों की शिल्पकला तत्कालीन कलाकारों की अद्भुत दक्षता को प्रदर्शित करती है। मंदिरों के द्वार, स्तंभ, नक्काशीदार पत्थर और खंडित शिल्प इस क्षेत्र के गौरवशाली अतीत की गवाही देते हैं। इतिहासकारों के अनुसार रामगढ़ क्षेत्र प्रारंभिक कलचुरी राजवंश के प्रभाव वाले महत्वपूर्ण स्थलों में शामिल रहा है। यहां प्राप्त स्थापत्य अवशेष इस क्षेत्र की प्राचीन समृद्धि और सांस्कृतिक वैभव को दर्शाते हैं।

पर्यटन और शोध का प्रमुख केंद्र-आज रामगढ़, सीताबेंगरा और जोगीमारा गुफाएं इतिहास, पुरातत्व, कला और पर्यटन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। यहां देश-विदेश से शोधकर्ता, इतिहासकार और पर्यटक पहुंचते हैं। यह स्थल सरगुजा की ऐतिहासिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सरगुजा का है गौरवशाली अतीत-रामगढ़ की गुफाएं केवल पत्थरों में उकेरी गई संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि सरगुजा की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक चेतना, कला परंपरा और आस्था की जीवंत धरोहर हैं। सीताबेंगरा की पौराणिक मान्यताएं, जोगीमारा की प्राचीन चित्रकला, हाथीपोल की अद्भुत प्राकृतिक संरचना और यहां बिखरे पुरातात्विक अवशेष मिलकर यह सिद्ध करते हैं कि सरगुजा का इतिहास अत्यंत समृद्ध, गौरवशाली रहा है। यही कारण है कि रामगढ़, सीताबेंगरा और जोगीमारा गुफाएं आज भी सरगुजा की ऐतिहासिक-पौराणिक संस्कृति की पहचान बनकर आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर